Shreemad Bhagawad Geeta: श्रीमद् - भगवद् - गीता

अथ सांख्ययोगो नाम द्वितीयोऽध्यायः॥

सञ्जय उवाच।

तम् तथा कृपया आविष्टम् अश्रुपूर्णाकुलेक्षणम्।

विषीदन्तम् इदम् वाक्यम् उवाच मधुसूदनः॥ २-१॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सञ्जय	Sanjaya	Sanjaya	संजय	संजय
उवाच	Uvaacha	said	बोले	बोलला
तम्	Tam	to him	उस अर्जुन के प्रति	त्या (अर्जुनाला)
तथा	Tathaa	thus	उस प्रकार	तशा प्रकारे
कृपया	Krupayaa	(with) pity	करुणा से	करुणेने
आविष्टम्	Aavishtam	overcome	व्याप्त और	व्याप्त (भरलेले)
अश्रुपूर्ण	AshrupurNa	filled with tears	आँसुओं से पूर्ण	अश्रूंनी पूर्ण
आकुल	Aakula	(and) agitated	(तथा) व्याकुल	व्याकुळ
ईक्षणम्	Iikshanam	with eyes	नेत्रोंवाले	डोळयांनी
विषीदन्तम्	Visheedantam	despondent	शोकयुक्त	शोकयुक्त
इदम्	Idam	this	यह	असे
वाक्यम्	Vaakyam	speech	वचन	वचन
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाले
मधुसूदनः	Madhu-soodanaH	Shri Krishna – the killer of demon Madhu	मधु राक्षसका वध करनेवाले भगवान् श्रीकृष्ण ने	मधु राक्षसाचा वध करणारे - भगवान श्रीकृष्ण

अन्वय :-

सञ्जय उवाच - तथा कृपया आविष्टम् अश्रुपूर्णाकुलेक्षणम् (च) विषीदन्तम् तम् मधुसूदनः इदम् वाक्यम् उवाच ।

English translation:-

Sanjay said, " Krishna spoke these words to him (Arjun) who was thus overwhelmed with compassion, drowned in distress and with eyes drenched in tears of despondency. "

हिन्दी अनुवाद :-

संजय बोले कि, " उस प्रकार करुणा से व्याप्त और आँसुओं से पूर्ण तथा व्याकुल नेत्रोंवाले शोकयुक्त उस अर्जुन के प्रति भगवान् श्रीकृष्ण ने यह वचन कहा । "

मराठी भाषान्तर :-

संजय म्हणाला , "अशा रीतीने करुणेने व्याप्त झालेल्या व डोळे आसवांनी भरलेल्या , व्याकुळ अशा शोक करणाऱ्या अर्जुनाला , भगवान श्रीकृष्ण असे म्हणाले ."

विनोबांची गीताई :-

संजय म्हणाला -

असा तो करुणा ग्रस्त घाबरा अश्रु गाळित
करीत असतां खेद त्यास हें कृष्ण बोलिला ॥ २ - १ ॥

श्री भगवान् उवाच ।

कुतः त्वा कश्मलम् इदम् विषमे समुपस्थितम् ।

अनार्यजुष्टम् अस्वर्ग्यम् अकीर्तिकरम् अर्जुन ॥ २ - २ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान	Shree Bhagavan	Lord Shree Krishna	भगवान् श्रीकृष्ण (ने)	भगवान श्रीकृष्ण
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाले
कुतः	KutaH	whence	किस हेतु से	कोणत्या कारणाने
त्वा	Tvaa	upon you	तुझे	तुला
कश्मलम्	Kashmalam	dejection	मोह	मोह
इदम्	Idam	this	यह	हा
विषमे	Vishame	in perilous strait / crisis	असमय में	कठीण प्रसंगी
समुपस्थितम्	Sam-upasthitam	comes	प्राप्त हुआ	उत्पन्न झाला
अनार्य - जुष्टम्	Anaarya - Jushtam	unworthy of an Aryan	श्रेष्ठ पुरुष से न आचरित	श्रेष्ठ पुरुषाने न आचरलेला
अस्वर्ग्यम्	Aswargyam	not attaining heaven	स्वर्ग न देनेवाला	स्वर्ग मिळवून न देणारा
अकीर्तिकरम्	Akeertikaram	disgraceful / not attaining fame	अकीर्तिकारक	कीर्ती न देणारा
अर्जुन	Arjun	O Arjun !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !

अन्वय :-

श्री भगवान उवाच - हे अर्जुन ! विषमे इदम् कश्मलम् कुतः त्वा समुपस्थितम् (इदम्) अनार्यजुष्टम् अस्वर्ग्यम् (च) अकीर्तिकरम् (च)।

English translation:-

The blessed Lord Krishna said, "O Arjuna, how this dejection has come upon you in a crisis, unworthy of a noble man, attaining neither heaven nor fame? "

हिन्दी अनुवाद :-

श्री भगवान् बोले, " हे अर्जुन, तुम्हें इस कठीन अवसर पर यह कायरता तथा मोह किस हेतु से उत्पन्न हुआ है ? क्योंकि, न तो यह श्रेष्ठ पुरुषोंद्वारा आचरित है, न स्वर्ग देनेवाला है और न कीर्ति को प्रदान करनेवाला ही है।"

मराठी भाषान्तर :-

भगवान श्रीकृष्ण म्हणाले, " हे अर्जुना, या कठीण प्रसंगी हे औदासिन्य तुला कशामुळे उत्पन्न झाले ? कारण हा मोहमार्ग थोरांनी आचरिलेला नाही, स्वर्ग मिळवून देणारा नाही आणि कीर्तिकारकही नाही ".

विनोबांची गीताई :-

श्रीभगवान म्हणाले -

कोठुनि भलत्या वेळीं सुचलें पाप हें तुज
असें रुचे न थोरांस ह्यानें दुष्कीर्ति दुर्गति ॥ २ - २ ॥

क्लैब्यम् मा स्म गमः पार्थ न एतत् त्वयि उपपद्यते ।

क्षुद्रम् हृदयदौर्बल्यम् त्यक्त्वा उत्तिष्ठ परंतप ॥ २ - ३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
क्लैब्यम्	Klaibyam	impotence	नपुंसकता को	षंढपणा
मा स्म गमः	Maa Sma GamaH	do not get	मत प्राप्त हो	करु नकोस
पार्थ	Paartha	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
न	Na	not	नहीं	नाही
एतत्	Etat	this	यह	हे
त्वयि	Tvayi	in you	तुझ में	तुला
उपपद्यते	Upapadyate	is fitting	उचित जान पडती	शोभत
क्षुद्रम्	Kshudram	mean	तुच्छ	तुच्छ
हृदयदौर्बल्यम्	Hrudaya-Daurbalyam	weakness of heart	हृदय की दुर्बलता को	हृदयाचा दुबळेपणा
त्यक्त्वा	Tyaktvaa	having abandoned	त्यागकर	सोडून देऊन
उत्तिष्ठ	Uttishtha	arise	(युद्ध के लिये) खड़े हो जाओ	उभा रहा
परंतप	Parmtapa	O scorcher of foes !	शत्रु को ताप देनेवाले हे अर्जुन !	शत्रूला तापदायक, अशा हे अर्जुना !

अन्वय :-

हे पार्थ ! क्लैब्यम् मा स्म गमः । त्वयि एतत् न उपपद्यते । हे परंतप ! क्षुद्रम् हृदयदौर्बल्यम् त्यक्त्वा उत्तिष्ठ ।

English translation

O Arjuna, do not yield to unmanliness. It does not befit you. Casting off this petty faint-heartedness, arise O vanquisher of foes!

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन, नपुंसकता को मत प्राप्त हो । यह तुम्हें शोभा नहीं देती । शत्रु को ताप देनेवाले हे अर्जुन, हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर, युद्ध के लिये खड़े हो जाओ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना, षंढपणा करु नकोस, हा तुला शोभत नाही. शत्रूला तापदायक अशा अर्जुना, अंतःकरणाचा तुच्छ दुबळेपणा सोडून देऊन युद्धाला उभा ठाक / सज्ज हो.

विनोबांची गीताई :-

निर्वीर्य तूं नको होऊं न शोभे हें मुळीं तुज
भिकार दुबळी वृत्ति सोडुनी ऊठ तूं कसा ॥ २ - ३ ॥

अर्जुन उवाच ।

कथम् भीष्मम् अहम् संख्ये द्रोणम् च मधुसूदन ।

इषुभिः प्रतियोत्स्यामि पूजार्हौ अरिसूदन ॥ २ - ४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अर्जुन	Arjuna	Arjun	अर्जुन	अर्जुन
उवाच	Uvaacha	said	ने कहा	म्हणाला
कथम्	Katham	how	किस प्रकार	कशाप्रकारे
भीष्मम्	Bheeshmam	Bheeshma	भीष्म पितामह	भीष्म
अहम्	Aham	I	मैं	मी
संख्ये	Sankhye	in battle	रणभूमि में	युद्धात
द्रोणम्	Dronam	Drona	द्रोणाचार्य के	द्रोण
च	Cha	and	और	आणि
मधुसूदन	Madhu-soodana	O Shri Krishna – the killer of demon Madhu	मधु राक्षस का वध करने वाले हे भगवान् श्रीकृष्ण !	मधु राक्षसाचा वध करणारे भगवान श्रीकृष्ण !
इषुभिः	IShubhiH	with arrows	बाणों से	बाणांनी
प्रतियोत्स्यामि	Prati-yotsyaami	shall fight	विरुद्ध लडूँगा	विरुद्ध लढू
पूजार्हौ	Pujaarhau	worthy of worship	पूजनीय	पूजनीय
अरिसूदन	Arisoodana	O slayer of enemies !	हे शत्रुनाशक कृष्ण !	हे शत्रुनाशका कृष्णा !

अन्वय :-

अर्जुन उवाच - हे मधुसूदन! संख्ये भीष्मम् द्रोणम् च अहम् इषुभिः कथम् प्रतियोत्स्यामि (यतः) अरिसूदन (एतौ) पूजार्हौ ।

English translation:-

Arjuna said, "O slayer of demon Madhu, O slayer of foes, how shall I counter-attack with arrows Bhishma and Drona, who are worthy of worship?"

हिन्दी अनुवाद :-

मधु राक्षस का वध करने वाले शत्रुनाशक हे भगवान श्रीकृष्ण! मैं रणभूमि में किस प्रकार बाणों से भीष्मपितामह और द्रोणाचार्य के विरुद्ध लड़ूँगा? क्योंकि, वे दोनों ही पूजनीय हैं।

मराठी भाषान्तर :-

हे मधुसूदना, शत्रुनाशका श्रीकृष्णा, युद्धात मी भीष्मपितामहांच्या आणि द्रोणाचार्यांच्या विरुद्ध बाणांनी कसा लढू? कारण ते दोघेही मला पूजनीय आहेत.

विनोबांची गीताई :-

अर्जुन म्हणाला -

कसा रणांगणीं झुंजुं भीष्म द्रोणां विरूद्ध मी
ह्यांस बाण कसे मारूं आम्हां हे पुजनीय कीं ॥ २ - ४ ॥

गुरून् अहत्वा हि महानुभावान् श्रेयः भोक्तुम् भैक्ष्यम् अपि इह लोके ।
हत्वा अर्थकामान् तु गुरून् इह एव भुञ्जीय भोगान् रुधिरप्रदिग्धान् ॥ २ - ५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
गुरून्	Gurun	the teachers	गुरुजनों को	गुरुजनांना
अहत्वा	Ahatvaa	instead of slaying	न मारकर मैं	न मारता
हि	Hi	indeed	भी	सुद्धा
महानुभावान्	Mahaa-anubhaavan	most noble	महान अनुभवी	महान अनुभवी
श्रेयः	ShreyaH	better	कल्याणकारक	कल्याणकारक
भोक्तुम्	Bhoktum	to eat	खाना	खाणे
भैक्ष्यम्	Bhaiksham	alms	भिक्षा का अन्न	भिक्षेचे अन्न
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
इह लोके	Eha loke	in this world	इस पृथ्वीलोक में	या जगात
हत्वा	Hatvaa	having slain	मारकर	मारून
अर्थकामान्	Arthkaamaan	wealth and desires	अर्थ और कामरुप	अर्थ व कामरुप
तु	Tu	indeed	तो	तर
गुरून्	Gurun	teachers	गुरुजनों को	गुरुजनांना
इह	Iha	here	इस लोक में	या जगात
एव	Eva	also	ही	च
भुञ्जीय	Bhunjeeya	enjoy	भोगूँगा	मी भोगेन
भोगान्	Bhogaan	enjoyments	भोगोंको	भोग
रुधिर-प्रदिग्धान्	Rudhir-Pradigdhaan	stained with blood	रक्त लांछित	रक्ताने माखलेले

अन्वय :-

हि महानुभावान् गुरून् अहत्वा इह लोके भैक्ष्यम् अपि भोक्तुम् श्रेयः । गुरून् हत्वा (अपि) इह रुधिरप्रदिग्धान् अर्थकामान् भोगान् एव तु भुञ्जीय ।

English translation:-

Better indeed is to live on alms in this world than to slay these great-souled, noble - hearted teachers. But if I kill them, then my enjoyments of wealth and desires in this world, will be stained with blood.

हिन्दी अनुवाद :-

इन महानुभाव गुरुजनों को न मारकर , मैं इस पृथ्वीलोक में भिक्षाका अन्न खाना कल्याणकारक समझता हूँ । क्योंकि , गुरुजनों को मारकर भी इस लोक में रक्त - रंजित अर्थ और कामरुप भोगों को ही तो भोगूँगा ।

मराठी भाषान्तर :-

(म्हणून) या अत्यंत उदार अन्तःकरणाच्या , आदरणीय गुरुजनांना न मारता ; मी या जगात भिक्षा मागून खाणे कल्याणकारक समजतो . कारण गुरुजनांना मारून या जगात रक्ताने माखलेले , संपत्ती व विषयरूप भोगच तर मी भोगेन .

विनोबांची गीताई :-

न मारितां थोर गुरूंस येथें भिक्षा हि मागुनि भलें ज़गावें
हितेच्छु हे ह्यांस वधुनि भोग भोगूं कसे भंगुर रक्त मिश्र ॥ २ - ५ ॥

न च एतत् विद्मः कतरत् नः गरीयः यत् वा जयेम यदि वा नः जयेयुः ।

यान् एव हत्वा न जिजीविषामः ते अवस्थिताः प्रमुखे धार्तराष्ट्राः ॥ २ - ६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
च	Cha	and	भी	सुद्धा
एतत्	Etat	this	यह	हे
विद्मः	VidmaH	We know	जानते कि	कळते
कतरत्	Katarat	which	दोनोंमें से कौन सा	कोणते
नः	NaH	for us	हमारे लिये युद्ध करना और न करना इन	आम्हाला
गरीयः	GariyaH	better	श्रेष्ठ है	अधिक श्रेष्ठ
यत्	Yat	that	यह भी नहीं जानते कि	कारण की
वा	Vaa	or	अथवा	तसेच
जयेम	Jayem	We should conquer	उन्हें हम जीतेंगे	आम्ही त्यांना जिंकू
यदि	Yadi	if	अगर	किंवा
वा	Vaa	or	वे	ते
नः	NaH	us	हमको	आम्हाला
जयेयुः	JayeyuH	they should conquer	जीतेंगे	जिंकतील
यान्	Yaan	whom	जिनको	ज्यांना
एव	Eva	even	भी	ही / सुद्धा
हत्वा	Hatvaa	having slain	मारकर हम	मारून
न	Na	not	नहीं	नाही
जिजीविषामः	Jijee-vishmaaH	We wish to live	जीना भी चाहते	(आम्ही) जगू इच्छित
ते	Te	those	वे	ते
अवस्थिताः	AvasthitaaH	are standing	खड़े हैं	उभे ठाकलेले

प्रमुखे	Pramukhe	in face	हमारे सामने मुकाबले में	आमच्या पुढे
धार्तराष्ट्राः	Dhaartra-raaShtraaH	sons of Dhritarashtra	धृतराष्ट्रके पुत्र	कौरव

अन्वय :-

नः कतरत् गरीयः ? यत् वा (वयम्) जयेम यदि वा (ते) नः जयेयुः एतत् अपि च न विद्मः। यान् हत्वा न जिजीविषामः ते एव धार्तराष्ट्राः प्रमुखे अवस्थिताः।

English translation:-

Whether we should conquer them, or they should conquer us – I do not know which is better ! These very sons of Dhritarashtra stand before us, after slaying them we do not wish to live.

हिन्दी अनुवाद :- हम यह भी नहीं जानते कि हमारे लिये युद्ध करना और न करना इन दोनोंमें से कौन सा श्रेष्ठ है, अथवा यह भी नहीं जानते कि उन्हें हम जीतेंगे या वे हमको जीतेंगे। जिनको मारकर हम जीना भी नहीं चाहते, वे हमारे आत्मीय, धृतराष्ट्र के पुत्र हमारे सामने, युद्ध - आतुर होकर खड़े हैं।

मराठी भाषान्तर :- गुरूंना मारणे वा न मारणे या दोन्ही पैकी कोणते आम्हाला अधिक श्रेयस्कर ठरेल ? आम्ही त्यांना जिंकू किंवा ते आम्हाला जिंकतील ? - हे आम्हाला समजत नाही. आणि ज्यांना मारून आम्हाला जगण्याचीही इच्छा नाही ; तेच आमचे बांधव - कौरव आमच्या विरुद्ध युद्ध करण्यास उभे आहेत .

विनोबांची गीताई :-

ह्यांचा चि व्हावा जय आमुचा कीं कशांत कल्याण असे न ज़ाणों

मारूनि ज्यांतें ज़गणें न इच्छुं झुंजावया ते चि उभे समोर ॥ २ - ६ ॥

कार्पण्यदोषः - उपहतः - स्वभावः पृच्छामि त्वाम् धर्मसंमूढचेताः ।

यत् श्रेयः स्यात् निश्चितम् ब्रूहि तत् मे शिष्यः ते अहम् शाधि माम् त्वाम् प्रपन्नम् ॥२ - ७॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कार्पण्य-दोषः	Karpanya - DoshaH	taint of pity	कायरतारुप दोष	दैन्य दोष
उपहतः	UpahataH	overpowered	से उपहत हुए	नाहीसा झाला
स्वभावः	SvabhaavaH	(my) nature	स्वभाववाला (तथा)	मूळ स्वभाव
पृच्छामि	Pruchchhaami	I ask	पूछता हूँ कि	विचारतो
त्वाम्	Tvaam	you	आप से	तुम्हाला
धर्म	Dharma	duty	धर्म	धर्म
संमूढ	Sammuudha	confused	मोहित	गोंधळून गेलेला
चेताः	ChetaaH	mind	चित्त	मन
यत्	Yat	which	जो (साधन)	जे
श्रेयः	ShreyaH	good	कल्याणकारक	कल्याणकारक
स्यात्	Syaat	may be	हो	असेल
निश्चितम्	Nishchitam	decisively	निश्चित	खात्रीपूर्वक
ब्रूहि	Bruuhi	tell me	कहिये (क्योंकि)	सांगा
तत्	Tat	that	वह	ते
मे	Me	for me	मेरे लिये	मला
शिष्यः	ShiShyaH	disciple	शिष्य हूँ	शिष्य
ते	Te	your	आपका	तुमचा
अहम्	Aham	I	मैं	मी
शाधि	Shaadhi	instruct	शिक्षा दीजिये	उपदेश करा
माम्	Maam	me	मुझे	मला
त्वाम्	Tvaam	to you	आपके	तुम्हाला
प्रपन्नम्	Prapannam	taken refuge	शरण हुए	शरण आलेल्या

अन्वय :-

कार्पण्यदोषः - उपहतः - स्वभावः धर्मसंमूढचेताः (अहम्) त्वाम् पृच्छामि । यत् निश्चितम् श्रेयः स्यात् तत् मे ब्रूहि । (यत्) अहम् ते शिष्यः त्वाम् प्रपन्नम् माम् शाधि ।

English translation:-

My nature is over-powered by the taint of feeble-mindedness; my understanding is confused as to duty. I entreat you, say definitely what is good for me. I am your disciple. Please instruct me, who has taken refuge in you.

हिन्दी अनुवाद :-

कायरतारूप दोष से उपहत हुए स्वभाववाला तथा धर्ममोहित चित्त हुआ, मैं आप से पूँछता हूँ कि , जो साधन निश्चित कल्याणकारक हो वह मेरे लिये कहिये ; क्योंकि मैं आपका शिष्य हूँ, आपके शरणागत हुए मुझे , आप कृपया शिक्षा दीजिये ।

मराठी भाषान्तर :-

भित्रेपणाच्या दोषामुळे ज्याचा मूळ क्षात्रभाव नाहीसा झाला आहे व धर्म - अधर्माच्या बाबतीत ज्याचे मन गोंधळून गेले आहे असा मी तुम्हाला विचारतो की , जे साधन खात्रीने कल्याणकारक आहे ते मला सांगा ; कारण मी तुमचा शिष्य आहे . तुम्हाला शरण आलेल्या मला , उपदेश करावा अशी माझी कळकळीची नम्र विनंती !

विनोबांची गीताई :-

दैन्यानें ती मारिली वृत्ति माझी, धर्माचे तों नाशिलें ज्ञान मोहें
कैसें माझें श्रेय होईल सांगा, पायांपाशीं पातलों शिष्य भावें ॥ २ - ७ ॥

न हि प्रपश्यामि मम अपनुद्यात् यत् शोकम् उच्छोषणम् इन्द्रियाणाम् ।
अवाप्य भूमौ असपत्नम् ऋद्धम् राज्यम् सुराणाम् अपि च आधिपत्यम् ॥ २ - ८॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
हि	Hi	because	क्योंकि	कारण
प्रपश्यामि	Prapashyaami	I see	देखता हूँ	मी पाहतो
मम	Mama	my	मेरी	माझ्या
अपनुद्यात्	Apnudyaat	would remove	दूर कर सकें	दूर करू शकेन
यत्	Yat	that	जो	जो (उपाय)
शोकम्	Shokam	grief	शोक को	शोक
उच्छोषणम्	Uchchho-ShaNam	drier up	सुखानेवाले	सुकवून टाकणारा
इन्द्रियाणाम्	IndriyaaNaam	of my senses	इंद्रियों के	इंद्रियांना
अवाप्य	Avaapya	having obtained	प्राप्त होकर	मिळवून
भूमौ	Bhoomau	in the Earth	भूमि में	भूमंडळाचे
असपत्नम्	Asaptnam	unrivalled	निष्कण्टक	शत्रुरहित
ऋद्धम्	Ruddham	prosperous	धन-धान्य संपन्न	धन-धान्य संपन्न
राज्यम्	Raajyam	dominion	राज्य को	राज्य
सुराणाम्	SuraaNaam	over the Gods	देवताओं के	देवांचे
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
च	Cha	and	और	तसेच
आधिपत्यम्	Aadhipatyam	lordship	स्वामित्व	स्वामित्व

अन्वय :-

हि भूमौ असपत्नम् ऋद्धम् राज्यम् सुराणाम् च अपि आधिपत्यम् अवाप्य (यत्) मम इन्द्रियाणाम् उच्छोषणम् शोकम् अपनुद्यात् (तत्) न प्रपश्यामि।

English translation:-

(Because) I do not find any remedy to the grief that parches my senses, though I were to gain unrivalled and prosperous monarchy on the earth and the lordship over the Gods.

हिन्दी अनुवाद :-

(क्योंकि) भूमि में निष्कण्टक, धन-धान्य संपन्न राज्य को और देवताओं के स्वामित्व को प्राप्त होकर भी, मैं ऐसा कोई उपाय नहीं देखता हूँ, जो मेरी इंद्रियों के सुखानेवाले शोक को दूर कर सके।

मराठी भाषान्तर :-

(कारण) पृथ्वीचे शत्रुरहित व धन - धान्यसमृद्ध राज्य मिळाले किंवा देवांचे स्वामित्व जरी मिळाले तरी ; माझ्या इंद्रियांना शोषून टाकणारा हा शोक दूर करू शकेल असा उपाय मला दिसत नाही.

विनोबांची गीताई :-

मिळेल निष्कंटक राज्य येथें लाभेल इंद्रासन देव लोकीं
शमेल त्यानें न तथापि शोक जो इंद्रियांतें सुकवीत माझ्या ॥ २ - ८॥

सञ्जय उवाच ।

एवम् उक् - त्वा हृषीकेशम् गुडाकेशः परंतपः ।

न योत्स्ये इति गोविन्दम् उक् - त्वा तूष्णीम् बभूव ह ॥ २ - ९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सञ्जय	Sanjaya	Sanjaya	संजय	संजय
उवाच	Uvaacha	said	ने कहा	म्हणाला
एवम्	Evam	thus	इस प्रकार	असे
उक् - त्वा	Uktvaa	having said	कहकर फिर	सांगून
हृषीकेशम्	Hrusheekesham	to Hrushikesha	इंद्रियोंपर नियंत्रण पानेवाले श्रीकृष्ण को	इंद्रियांवर ताबा असलेल्या श्रीकृष्णाला
गुडाकेशः	GudaakeshaH	Arjuna	निद्रा को जीतनेवाला अर्जुन (और)	निद्रेला जिंकणाऱ्या अर्जुना (आणि)
परंतपः	Param-TapaH	destroyer of foes	शत्रु को ताप देनेवाला अर्जुन	शत्रूला तापदायक अर्जुनाने
न	Na	not	नहीं	नाही
योत्स्ये	Yotsye	fight	मैं युद्ध करूंगा	मी लढणार
इति	Iti	thus	यह	असे
गोविन्दम्	Govindam	to Krishna	श्रीकृष्णसे	श्रीकृष्णाला
उक् - त्वा	Uktvaa	having said	कहकर	म्हणून
तूष्णीम्	TooshNeem	silent	चुप	गप्प
बभूव	Babhoova	became	हो गया	झाला
ह	Ha	clearly	स्पष्ट	स्पष्टपणे

अन्वय :-

सञ्जय उवाच - परंतपः गुडाकेशः हृषीकेशम् एवम् उक्-त्वा "न योत्स्ये" इति गोविन्दम् उक्-त्वा तूष्णीम् बभूव ह ।

English translation:-

Sanjay said, "After addressing the Lord of the senses thus, Arjuna the conqurer of sleep and the terror to the foes, clearly submitted to Krishna, 'I will not fight', and he became silent."

हिन्दी अनुवाद :-

संजय ने कहा, "निद्रा को जीतनेवाला और शत्रु को ताप देनेवाला अर्जुन, अन्तर्यामी (इंद्रियों पर नियंत्रण पानेवाले) श्रीकृष्ण भगवान को 'मैं युद्ध नहीं करूंगा' यह कहकर चुप हो गया।"

मराठी भाषान्तर :-

संजय म्हणाला, "शत्रूला तापदायक व निद्रेला जिंकणाऱ्या अर्जुनाने, इंद्रियांवर ताबा असलेल्या श्रीकृष्णाला 'मी लढणार नाही' असे स्पष्टपणे सांगितले व तो गप्प झाला."

विनोबांची गीताई :-

असें अर्जुन तो वीर हृषीकेशास बोलुनी
शेवटीं मी न झुंजें चि ह्या शब्दें स्तब्ध राहिला ॥ २-९ ॥

तम् उवाच हृषीकेशः प्रहसन् इव भारत ।

सेनयोः उभयोः मध्ये विषीदन्तम् इदम् वचः ॥ २ - १० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तम्	Tam	to him	उस अर्जुन को	त्याला
उवाच	Uvaacha	said	बोले	म्हणाले
हृषीकेशः	HrusheekeshaH	Krishna	श्रीकृष्ण	श्रीकृष्ण
प्रहसन्	Prahasan	smiling	हँसते हुए	स्मित करीत
इव	Iva	as it were	जैसे	जणू
भारत	Bhaarat	O King Dhritarashtra!	हे भरतवंशी धृतराष्ट्र !	हे भरतवंशी धृतराष्ट्र महाराज!
सेनयोः	SenayoH	of the armies	सेनाओं के	सैन्यांच्या
उभयोः	UbhayoH	both	दोनों	दोन्ही
मध्ये	Madhye	in the middle	बीच में	मध्ये
विषीदन्तम्	Visheedantam	despondent	शोक करते हुए	शोकाकुल
इदम्	Idam	these	यह	हे
वचः	VachaH	words	वचन	वचन

अन्वय :-

हे भारत ! उभयोः सेनयोः मध्ये विषीदन्तम् तम् (अर्जुनम्) हृषीकेशः प्रहसन् इव इदम् वचः उवाच ।

English translation:-

O King Dhritarashtra, then smiling, as it were, Krishna spoke these words to the despondent Arjuna who was placed between the two armies .

हिन्दी अनुवाद :-

हे भरतवंशी धृतराष्ट्र ! श्रीकृष्ण, दोनों सेनाओं के बीच में शोक करते हुए उस अर्जुन को, जैसे हँसते हुए, यह वचन बोले ।

मराठी भाषान्तर :-

हे भरतवंशी धृतराष्ट्र महाराज , श्रीकृष्ण दोन्ही सैन्यांच्या मध्ये त्या शोकाकुल अर्जुनाला जणू स्मित करीत , हे वचन म्हणाले .

विनोबांची गीताई :-

मग त्यास हृषीकेश ज़णूं हंसत बोलिला
करीत असतां शोक दोन्ही सैन्यांत तो तसा ॥ २ - १० ॥

श्री भगवान् उवाच ।

अशोच्यान् अन्वशोचः त्वम् प्रज्ञावादान् च भाषसे ।

गतासून् अगतासून् च न अनुशोचन्ति पण्डिताः ॥ २ - ११ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान्	Shri Bhagavaan	Shri Krishna	भगवान् श्रीकृष्ण	भगवान श्रीकृष्ण
उवाच	Uvaacha	said	बोले	म्हणाले
अशोच्यान्	Ashochyaan	to those who should not be grieved	न शोक करने योग्य मनुष्यों के लिये	शोक करण्यास योग्य नसणाऱ्या (माणसांसाठी)
अन्वशोचः	AnvashochaH	has grieved	शोक करता है	शोक करीत आहेस
त्वम्	Tvam	you	तू	तू
प्रज्ञावादान्	Pradnyaa-vaadaan	words of wisdom from wise	पण्डितों के जैसे	पंडितांच्या प्रमाणे (शहाणपणाच्या गोष्टी)
च	Cha	and	और	आणि
भाषसे	BhaaShase	you speak	वचनों को कहता है परन्तु	बोलत आहेस
गतासून्	Gataasoon	the dead	जिनके प्राण चले गये हैं उनके लिये	मृतांसाठी
अगतासून्	Agataasoon	the living	जिनके प्राण नहीं गये हैं उनके लिये भी	जीवितांसाठी
च	Cha	and	और	आणि
न	Na	not	नहीं	नाही
अनुशोचन्ति	Anushochanti	grieve	शोक करते	शोक करीत
पण्डिताः	PaNDitaaH	the wise	ज्ञानी पुरुष	आत्मज्ञानी

अन्वय :-

श्री भगवान् उवाच - त्वम् अशोच्यान् अन्वशोचः । प्रज्ञावादान् च भाषसे ।
पण्डिताः गतासून् अगतासून् च न अनुशोचन्ति ।

English translation:-

The Blessed Lord Krishna said, "You grieve for those who should not be grieved for; yet you spell words of wisdom. The wise grieve neither for the living nor for the dead."

हिन्दी अनुवाद :-

श्रीकृष्ण बोले, " तू न शोक करने योग्य मनुष्यों के लिये शोक करता है और पण्डितों के जैसे वचनों को कहता है परन्तु, जिनके प्राण चले गये हैं उनके लिये और जिनके प्राण नहीं गये हैं उनके लिये भी; ज्ञानी पुरुष शोक नहीं करते।"

मराठी भाषान्तर :-

श्रीकृष्ण म्हणाले, " हे अर्जुना, ज्यांच्यासाठी शोक करू नये अशा माणसांसाठी तू शोक करतोस आणि विद्वानांसारखा युक्तिवाद करीत आहेस. मृतांसाठी आणि जीवितांसाठीही, आत्मज्ञानी शोक करीत नाहीत."

विनोबांची गीताई :-

श्री भगवान् म्हणाले
करिसी भलता शोक वरी ज्ञान हि सांगसी
मेल्याजित्याविषीं शोक ज्ञानवंत न जाणती ॥ २ - ११ ॥

न तु एव अहम् जातु न आसम् न त्वम् न इमे जनाधिपाः ।

न च एव न भविष्यामः सर्वे वयम् अतः परम् ॥ २ - १२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	न	नाही
तु	Tu	indeed	तो ऐसा	असे तर
एव	Eva	also	ही है कि	मुळीच
अहम्	Aham	I	मैं	मी
जातु	Jaatu	at any time	किसी काल में	कोणत्याही काळी
न	Na	not	नहीं	नाही
आसम्	Aasam	was	था अथवा	असतो
न	Na	not	नहीं	नव्हतास
त्वम्	Tvam	you	तू	तू
न	Na	not	नहीं	नव्हते
इमे	Ime	these	ये	हे
जनाधिपाः	JanadhipaaH	rulers of men	राजालोग	राजे लोक
न	Na	not	नहीं थे	नाही
च	Cha	and	और	आणि
एव	Eva	also	ही है कि	किंवा
न	Na	not	नहीं	नाही
भविष्यामः	Bhavi-ShyaamaH	shall be	रहेंगे	भविष्यात असणार
सर्वे	Sarve	all	सब	सर्व
वयम्	Vayam	we	हम	आपण
अतः	AtaH	from this time	इसके	तसेच
परम्	Param	after	आगे	यापुढे

अन्वय :-

जातु अहम् न आसम् त्वम् न (आसीः) (अथवा) इमे जनाधिपाः न (आसन्) (इति) तु न एव च अतः परम् वयम् सर्वे न भविष्यामः (एवम्) न एव ।

English translation:-

Never indeed was I not, nor you, nor these rulers of men non-existent before; also none of us will cease to be in the future.

हिन्दी अनुवाद :-

न तो ऐसा ही है कि मैं किसी काल में नहीं था अथवा तू नहीं था अथवा ये राजालोग नहीं थे और न ऐसा ही है कि इसके आगे हम सब नहीं रहेंगे ।

मराठी भाषान्तर :-

मी कोणत्याही काळी नव्हतो, तू नव्हतास किंवा हे राजेलोक नव्हते असे (झाले) नाही आणि यापुढे आपण सर्वजण असणार नाही, असेही होणार नाही.

विनोबांची गीताई :-

मी तूं आणिक हे राजे न मागें नव्हतों कधीं
तसें चि सगळे आम्ही न पुढें हि नसूं कधीं ॥ २-१२ ॥

देहिनः अस्मिन् यथा देहे कौमारम् यौवनम् जरा ।

तथा देहान्तर - प्राप्तिः धीरः तत्र न मुह्यति ॥ २ - १३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
देहिनः	DehinaH	of the embodied soul	जीवात्म्या की	जीवात्म्याला
अस्मिन्	Asmin	in this	इस	या
यथा	Yathaa	as	जैसे	ज्याप्रमाणे
देहे	Dehe	in body	देह में	शरीरात
कौमारम्	Kaumaaram	childhood	बालकपन	बालपण
यौवनम्	Yauvanam	youth	जवानी (और)	तारुण्य
जरा	Jaraa	old age	वृद्धावस्था (होती है)	म्हातारपण
तथा	Tathaa	so also	वैसे ही	त्याप्रमाणे
देहान्तर	Dehaantara	another body	अन्य शरीर की	दुसरे शरीर
प्राप्तिः	PraaptiH	attainment	प्राप्ति होती है	मिळणे
धीरः	DheeraH	the firm minded person	धीर पुरुष	निश्चयी पुरुष
तत्र	Tatra	there	उस विषय में	त्या बाबतीत
न	Na	not	नहीं	नाहीत
मुह्यति	Muhyati	grieves	मोहित होता	मोहित होतो

अन्वय :-

यथा देहिनः अस्मिन् देहे कौमारम् यौवनम् जरा (च) तथा देहान्तर - प्राप्तिः । तत्र धीरः न मुह्यति ।

English translation:-

As the indweller in the body (Atman) experiences childhood, youth and old age in the body, he also passes on to another body. The unperturbed one is not affected thereby.

हिन्दी अनुवाद :-

जैसे जीवात्मा की इस देहमें बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था होती है वैसे ही अन्य शरीर की प्राप्ति होती है; उस विषय में धीर पुरुष मोहित नहीं होता ।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याप्रमाणे जीवात्म्याला या शरीरात बालपण, तारुण्य आणि म्हातारपण येते, त्याचप्रमाणे दुसरे शरीर मिळते. निश्चयी पुरुष त्या बाबतीत मोहित होत नाहीत.

विनोबांची गीताई :-

ह्या देहीं बाल्य तारुण्य जरा वा लाभते ज़शी

तसा लाभे नवा देह न डगे धीर तो तिथें ॥ २ - १३ ॥

मात्रास्पर्शाः तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।

आगमापायिनः अनित्याः तान् तितिक्षस्व भारत ॥ २ - १४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
मात्रा-स्पर्शाः	Matraa-sparshaaH	contacts of sensory organs with material objects	इंद्रिय और विषयों के संयोग	इंद्रियांशी संबधित असलेले पदार्थ
तु	Tu	indeed	तो	तर
कौन्तेय	Kaunteya	O Arjuna !	हे कुंतीपुत्र अर्जुन !	हे कुंतीपुत्र अर्जुना !
शीत	Sheet	cold	सर्दी	थंडी
उष्ण	UshNa	hot	गर्मी	उष्णता
सुख	Sukha	pleasure	सुख	सुख
दुःख	DuHkha	pain	दुःख	दुःख
दाः	DaaH	producers of	देनेवाले	देणारे
आगम - अपायिनः	Aagam - ApayinaH	which come and go away	उत्पन्न होनेवाले और नष्ट होनेवाले	उत्पन्न होणारे आणि नाश पावणारे
अनित्याः	AnityaaH	impermanent	क्षणभंगुर	क्षणभंगुर
तान्	Taan	them	उनको	त्यांना
तितिक्षस्व	Titikshasva	You should endure	तुम सहन करो	तू सहन कर
भारत	Bhaarat	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !

अन्वय :-

हे कौन्तेय ! शीतोष्णसुखदुःखदाः मात्रास्पर्शाः तु आगमापायिनः अनित्याः ।
हे भारत ! तान् तितिक्षस्व ।

English translation:-

O son of Kunti, the contacts of the sensory organs with material objects create feelings of heat and cold, of pain and pleasure. They come and go and are impermanent. O Arjuna ! Please endure them patiently.

हिन्दी अनुवाद :-

हे कुंतीपुत्र अर्जुन, सर्दी - गर्मी और सुख - दुःख देनेवाले, इंद्रिय और विषयों के संयोग तो उत्पन्न होनेवाले और नष्ट होनेवाले तथा अनित्य होते हैं; इसलिये हे अर्जुन, उनको तुम सहन करो।

मराठी भाषान्तर :-

हे कुंतीपुत्र अर्जुना, इंद्रियांचे बाह्यसृष्टीशी होणारे स्पर्श थंडी, उष्णता, सुख आणि दुःख देणारे आहेत. ते उत्पन्न होतात व नाहीसे होतात म्हणूनच ते क्षणभंगुर आहेत. हे अर्जुना, तू त्यांना सहन कर.

विनोबांची गीताई :-

शीतोष्ण विषय - स्पर्श सुख - दुःखांत घालिती
करीं सहन तूं सारे येती जाती अनित्य ते ॥ २ - १४ ॥

यम् हि न व्यथयन्ति एते पुरुषम् पुरुष - ऋषभ ।

समदुःखसुखम् धीरम् सः अमृतत्वाय कल्पते ॥ २ - १५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यम्	Yam	whom	जिस	ज्याला
हि	Hi	surely	क्योंकि	कारण
न	Na	not	नहीं	नाही
व्यथयन्ति	Vyathayanti	afflict	व्याकुल करते	व्याकुळ करतात
एते	Ete	these	ये (इंद्रिय और विषयों के संयोग)	हे
पुरुषम्	PuruSham	man	पुरुष को	पुरुषाला
पुरुष	PuruSha	among men	पुरुष	पुरुष
ऋषभ	Rishabha	chief (bull)	श्रेष्ठ	श्रेष्ठ
सम	Sama	same	समान समझने वाले	समान
दुःख	DuHkha	pain	दुःख	दुःख
सुखम्	Sukham	pleasure	सुख	सुख
धीरम्	Dheeram	firm	धीर	धीर
सः	SaH	he	वह	तो
अमृतत्वाय	Amrutatvaaya	for immortality	मोक्ष के	मोक्षाला
कल्पते	Kalpate	is fit	योग्य होता है	योग्य ठरतो

अन्वय :-

हे पुरुष – ऋषभ ! हि यम् समदुःखसुखम् धीरम् पुरुषम् एते न व्यथयन्ति, सः अमृतत्वाय कल्पते ।

English translation:-

O the best of men, that man is fit for immortality, whom these do not torment, who is balanced in pain, pleasure and steadfastness.

हिन्दी अनुवाद :-

हे पुरुषश्रेष्ठ ! क्योंकि सुख और दुःख को समान समझने वाले, जिस धीर पुरुष को, ये इंद्रिय और विषयों के संयोग व्याकुल नहीं करते, वह मोक्षके योग्य होता है ।

मराठी भाषान्तर :-

कारण हे पुरुषश्रेष्ठा, सुख - दुःख समान मानणाऱ्या ज्या धीर पुरुषाला हे होणारे संयोग व्याकुळ करीत नाहीत, तोच मोक्षाला योग्य ठरतो.

विनोबांची गीताई :-

ह्यांची मात्रा न चाले चि ज्या धीर पुरुषावरी
सम देखे सुखें दुःखें मोक्ष लाभास योग्य तो ॥ २ - १५ ॥

न असतः विद्यते भावः न अभावः विद्यते सतः ।

उभयोः अपि दृष्टः अन्तः तु अनयोः तत्त्वदर्शिभिः ॥ २ - १६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
असतः	AsataH	of unreal	असत् वस्तु की तो	असत् वस्तूला
विद्यते	Vidyate	is	है	असते
भावः	BhaavaH	being	सत्ता	अस्तित्व
न	Na	not	नहीं	नाही
अभावः	AbhaavaH	non-being	अभाव	अभाव
विद्यते	Vidyate	is	है इसप्रकार	असते
सतः	SataH	of the real	सत् का	सत् वस्तू
उभयोः	UbhayoH	of the two	दोनों का	दोन्ही
अपि	Api	also	ही	सुद्धा
दृष्टः	DruShtaH	seen	देखा गया है	पाहिलेले आहे
अन्तः	AntaH	the final truth	तत्त्व	तत्त्व
तु	Tu	also	और	आणि
अनयोः	AnayoH	of these	इन	या
तत्त्वदर्शिभिः	Tatva-darshibhiH	by the knowers of the truth	तत्त्वज्ञानी पुरुषोंद्वारा	तत्त्वज्ञानी पुरुषांनी

अन्वय :-

असतः भावः न विद्यते । सतः अभावः न विद्यते । तु उभयोः अपि अनयोः अन्तः तत्त्वदर्शिभिः दृष्टः ।

English translation:-

The unreal has no existence, the real never ceases to exist. The truth about the both has been realised by the seers of truth.

हिन्दी अनुवाद :-

असत् वस्तु की तो सत्ता नहीं है और सत् का अभाव नहीं है; इसप्रकार इन दोनोंका ही मूलतत्व, तत्त्वज्ञानी पुरुषोंद्वारा देखा गया है ।

मराठी भाषान्तर :-

जे सत् आहे म्हणजे ज्याचे अस्तित्व आहे , त्याचा कालांतराने नाश होऊ शकत नाही आणि जे असत् आहे म्हणजे ज्याचे अस्तित्व नाही , त्याचे केव्हाही अस्तित्व निर्माण होऊ शकत नाही . या दोहोचाही निश्चित अनुभव तत्त्ववेत्त्यांनी घेतलेला आहे .

विनोबांची गीताई :-

नसे मिथ्यास अस्तित्व नसे सत्यास नाश हि
निवाडा देखिला संतीं ह्या दोहींचा अशापरी ॥ २ - १६ ॥

अविनाशि तु तत् विद्धि येन सर्वम् इदम् ततम् ।

विनाशम् अव्ययस्य अस्य न कश्चित् कर्तुम् अर्हति ॥ २ - १७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अविनाशि	Avinashi	in-destructible	नाशरहित	अविनाशी
तु	Tu	indeed	तो तुम	तर
तत्	Tat	that	उसको	ते
विद्धि	Viddhi	know (you)	जान लो	तू जाण
येन	Yen	by whom	जिससे	ज्याने
सर्वम्	Sarvam	all	सम्पूर्ण (दृश्य) जगत्	संपूर्ण जग
इदम्	Idam	this	यह	हे
ततम्	Tatam	is pervaded	व्याप्त है	व्यापून टाकले आहे
विनाशम्	Vinaasham	destruction	विनाश	विनाश
अव्ययस्य	Avyayasya	imperishable	अविनाशी का	अविनाशीचा
अस्य	Asya	of the	इस	या
न	Na	not	नहीं	नाही
कश्चित्	Kashchit	anyone	कोई भी	कोणीही
कर्तुम्	Kartum	to do	करने में	करण्यास
अर्हति	Arhati	is able	समर्थ है	समर्थ आहे

अन्वय :-

येन इदम् सर्वम् ततम् तत् तु अविनाशि (अस्ति) (इति) विद्धि । अस्य अव्ययस्य विनाशम् कर्तुम् कश्चित् न अर्हति ।

English translation:-

Know that to be verily indestructible by which all this is pervaded. None can cause the destruction of the Imperishable.

हिन्दी अनुवाद :-

जिससे यह सम्पूर्ण (दृश्य) जगत् व्याप्त है , तुम उसको नाशरहित समझो । इस अविनाशी का विनाश करनेमें कोई भी समर्थ नहीं है ।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याने हे संपूर्ण जग , दिसणाऱ्या सर्व वस्तू - व्यापल्या आहेत , त्याचा नाश होत नाही, हे तू लक्षात ठेव . त्या अविनाशी आत्मतत्त्वाचा नाश कोणीही करू शकत नाही .

विनोबांची गीताई :-

ज्यानें हें व्यापिलें सर्व तें ज्ञाण अविनाश तूं
नाश त्या नित्य तत्वाचा कोणी हि न करुं शके ॥ २ - १७ ॥

अन्तवन्तः इमे देहाः नित्यस्य उक्ताः शरीरिणः।

अनाशिनः अप्रमेयस्य तस्मात् युध्यस्व भारत ॥ २ - १८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अन्तवन्तः	AntavantaH	having an end	नाशवान्	नाशवन्त
इमे	Ime	these	ये सब	ही
देहाः	DehaaH	bodies	शरीर	(सर्व) शरीरे
नित्यस्य	Nityasya	of the everlasting	नित्यस्वरूप	नित्यस्वरूप
उक्ताः	UktaaH	are said	कहे गये हैं	म्हटले गेले आहे
शरीरिणः	ShareeriNaH	of the embodied	जीवात्मा के	जीवात्म्याची
अनाशिनः	AnaashinaH	of the indestructible	नाशरहित	नाशरहित
अप्रमेयस्य	Aprameyasya	of the immeasurable	अप्रमेय	मोजता न येणाऱ्या
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इसलिये	म्हणून
युध्यस्व	Yudhyasva	fight	तुम युद्ध करो	तू युद्ध कर
भारत	Bhaarat	O Arjuna !	हे भरतवंशी अर्जुन !	हे भरतवंशी अर्जुना !

अन्वय :-

अनाशिनः अप्रमेयस्य नित्यस्य शरीरिणः इमे देहाः अन्तवन्तः उक्ताः ।

हे भारत ! तस्मात् युध्यस्व ।

English translation:-

These bodies of the embodied, which is eternal, indestructible and immeasurable are said to have an end. O Arjuna , therefore, you ought to fight.

हिन्दी अनुवाद :-

नाशरहित, अप्रमेय और नित्यस्वरूप जीवात्माके ये सब शरीर नाशवान् कहे गये हैं। इसलिये हे भरतवंशी अर्जुन, तुम युद्ध करो।

मराठी भाषान्तर :-

या नाशरहित, मोजता न येणाऱ्या, नित्यस्वरूप जीवात्म्याची ही सर्व शरीरे नाशवन्त आहेत, असे म्हटले गेले आहे. म्हणून हे भरतवंशी अर्जुना, तू युद्ध कर.

विनोबांची गीताई :-

विनाशी देह हे सारे बोलिले त्यांत शाश्वत

नित्य निःसीम तो आत्मा अर्जुना झुंज ह्यास्तव ॥ २ - १८ ॥

यः एनम् वेत्ति हन्तारम् यः च एनम् मन्यते हतम् ।

उभौ तौ न विजानीतः न अयम् हन्ति न हन्यते ॥ २ - १९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यः	YaH	who	जो	जो
एनम्	Enam	this (Self)	इस आत्मा को	हा आत्मा
वेत्ति	Vetti	knows	समझता है	समजतो
हन्तारम्	Hantaaram	slayer	मारनेवाला	मारणारा
यः	YaH	who	जो	जो
च	Cha	and	तथा	तसेच
एनम्	Enam	This (Self)	इसको	हा आत्मा
मन्यते	Manyate	thinks	मानता है	मानतो
हतम्	Hatam	slain	मरा	मेला
उभौ	Ubhau	both	दोनों ही	दोघे
तौ	Tau	those	वे	ते
न	Na	not	न तो किसीको	नाही
विजानीतः	VijaneetaH	know	जानते क्योंकि	जाणतात
न	Na	not	न तो किसीको	नाही
अयम्	Ayam	This (Self)	यह आत्मा (वास्तव में)	हा आत्मा
हन्ति	Hanti	slays	मारता है और	मारतो
न	Na	not	न किसीके द्वारा	नाही
हन्यते	Hanyate	is slain	मारा जाता है	मारला जातो

अन्वय :-

यः एनम् (आत्मानम्) हन्तारम् (इति) वेत्ति, यः च एनम् हतम् मन्यते तौ उभौ न विजानीतः (यतः) अयम् न हन्ति न हन्यते (च)।

English translation:-

He who holds Atman as the slayer and he who considers It as the slain, both of them are ignorant. It neither slays, nor is slain.

हिन्दी अनुवाद :-

जो इस आत्मा को मारनेवाला समझता है तथा जो इसको मरा मानता है, वे दोनों भी नहीं जानते; क्योंकि यह आत्मा वास्तवमें न तो किसीको मारता है और न किसीके द्वारा मारा जाता है।

मराठी भाषान्तर :-

जो या आत्म्याला मारणारा समजतो, तसेच जो हा आत्मा कोणाकडून मारला गेला आहे असे मानतो, ते दोघेही अज्ञानी आहेत. कारण हा आत्मा वास्तविक पाहता कोणाला मारीत नाही आणि कोणाकडून मारलाही जात नाही.

विनोबांची गीताई :-

ज़ो म्हणे मारितो आत्मा आणि ज़ो मरतो म्हणे
दोघे न ज़ाणती कांहीं न मारी न च मरे चि हा ॥ २-१९ ॥

न जायते म्रियते वा कदाचित् न अयम् भूत्वा भविता वा न भूयः ।

अजः नित्यः शाश्वतः अयम् पुराणः न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥ २ - २० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	न तो	नाही
जायते	Jaayate	is born	जन्मता है	जन्मतो
म्रियते	Mriyate	dies	मरता ही है	मरतो
वा	Vaa	or	तथा	तसेच
कदाचित्	Kadaachit	at any time	किसी काल में भी	कोणत्याही काळी
न	Na	not	न	नाही
अयम्	Ayam	this (self)	यह आत्मा	हा आत्मा
भूत्वा	Bhootvaa	having been	उत्पन्न होकर	उत्पन्न होऊन
भविता	Bhavitaa	will be	होनेवाला ही है क्योंकि	उत्पन्न होणार
वा	Vaa	or	तथा	किंवा
न	Na	not	न यह	नाही
भूयः	BhooyaH	any more	फिर	पुन्हा
अजः	AjaH	unborn	अजन्मा	अजन्मा
नित्यः	NityaH	eternal	नित्य	नित्य
शाश्वतः	ShaashvataH	changeless	सनातन (और)	सनातन
अयम्	Ayam	this	यह	हा आत्मा
पुराणः	PuraaNaH	ancient	पुरातन है	पुरातन
न	Na	not	नहीं	नाही
हन्यते	Hanyate	is killed	मारा जाता	मारला जातो
हन्यमाने	Hanyamaane	being killed	मारे जाने पर भी यह	मारले गेले असतानाही
शरीरे	Shareere	in body	शरीर के	शरीरात

अन्वय :-

अयम् कदाचित् न जायते वा न म्रियते वा भूत्वा भूयः न भविता (यतः)
अयम् अजः नित्यः शाश्वतः पुराणः शरीरे हन्यमाने (अयम्) न हन्यते ।

English translation:-

The Atman is neither born nor does It die. Coming into being and ceasing to exist, does not take place in It. It is unborn, eternal, constant and ancient. It is not killed when the body is slain.

हिन्दी अनुवाद :-

यह आत्मा किसी काल में भी न तो जन्मता है और न मरता ही है तथा न यह उत्पन्न होकर फिर होनेवाला ही है क्योंकि यह अजन्मा , नित्य , सनातन और पुरातन है । शरीर के मारे जाने पर भी यह नहीं मारा जाता ।

मराठी भाषान्तर :-

हा आत्मा कधीही जन्मत नाही आणि मरतही नाही . तसेच हा एकदा उत्पन्न झाल्यावर पुन्हा नष्ट होणारा नाही . कारण हा जन्म नसलेला , अक्षय , सनातन आणि प्राचीन आहे . शरीर मारले गेले तरी हा आत्मा मारला जात नाही .

विनोबांची गीताई :-

न जन्म पावे न कदापि मृत्यु होऊनि मागें न पुढें न होय
आला न गेला स्थिर हा पुराण मारोत देहास परी मरे ना ॥ २ - २० ॥

वेद अविनाशिनम् नित्यम् यः एनम् अजम् अव्ययम् ।

कथम् सः पुरुषः पार्थ कम् घातयति हन्ति कम् ॥ २ - २१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
वेद	Ved	knows	जानता है	जाणतो
अविनाशिनम्	Avinaashinam	indestructible	नाशरहित	नाशरहित
नित्यम्	Nityam	eternal	नित्य	अक्षय
यः	YaH	who	जो	जो
एनम्	Enam	This (self)	इस आत्मा को	हा आत्मा
अजम्	Ajam	unborn	अजन्मा (और)	अजन्मा
अव्ययम्	Avyayam	immutable	अव्यय	निर्विकारी
कथम्	Katham	how	कैसे	कसा बरे
सः	SaH	He (that)	वह	तो
पुरुषः	PuruShaH	man	पुरुष	पुरुष
पार्थ	Paartha	O Arjuna !	हे पृथापुत्र अर्जुन !	हे कुन्तीपुत्र अर्जुना !
कम्	Kam	whom	किसको	कुणाला
घातयति	Ghaatayati	causes to be slain	मरवाता है और	ठार करवील
हन्ति	Hanti	kills	मारता है	मारतो
कम्	Kam	whom	किसको	कुणाला

अन्वय

हे पार्थ ! यः एनम् अविनाशिनम् नित्यम् अजम् अव्ययम् (च) वेद सः पुरुषः कम् कथम् घातयति (तथा) कम् (कथम्) हन्ति ।

English translation:-

He who knows the Atman as indestructible, eternal, unborn and changeless, O Arjuna, how can he slay, or cause another to slay ?

हिन्दी अनुवाद :-

हे पृथापुत्र अर्जुन ! जो पुरुष इस आत्मा को नाशरहित, नित्य, अजन्मा और अव्यय जानता है ; वह पुरुष कैसे किसको मरवाता है और कैसे किसको मारता है ?

मराठी भाषान्तर :-

हे कुन्तीपुत्र अर्जुना, हा आत्मा नाशरहित, अक्षय, न जन्मणारा व निर्विकारी आहे हे जो जाणतो ; तो पुरुष कोणाला कसा ठार करवील किंवा कोणाला कसा मारील ?

विनोबांची गीताई :-

निर्विकार चि हा नित्य जन्म मृत्यूंहुनी पर
ज़ाणे हें तत्व तो कैसा मारी वा मारवी कुणा ॥ २ - २१ ॥

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरः अपराणि ।

तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि अन्यानि संयाति नवानि देही ॥ २ - २२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
वासांसि	Vaasaamsi	garments	वस्त्रोंको	वस्त्रे
जीर्णानि	JeerNaani	worn out	पुराने	जुनी
यथा	Yathaa	as	जैसे	ज्या प्रमाणे
विहाय	Vihaaya	having cast off	त्यागकर	टाकून देऊन
नवानि	Navaani	new	नये वस्त्रोंको	नवीन
गृह्णाति	GruhNaati	takes	ग्रहण करता है	घालतो
नरः	NaraH	man	मनुष्य	माणूस
अपराणि	Aparaani	others	दूसरे	दुसरी
तथा	Tathaa	similarly	वैसे ही	त्या प्रमाणे
शरीराणि	Shareeraani	bodies	शरीरों को	शरीरे
विहाय	Vihaaya	having cast off	त्यागकर	टाकून देऊन
जीर्णानि	JeerNaani	worn out	पुराने	जुनी
अन्यानि	Anyaani	others	दूसरे	दुसऱ्या
संयाति	Sanyaati	enters	प्राप्त होता है	प्रवेश करतो
नवानि	Navaani	new	नये शरीरों को	नवीन
देही	Dehi	the embodied one	जीवात्मा	आत्मा

अन्वय :-

यथा नरः जीर्णानि वासांसि विहाय अपराणि नवानि गृह्णाति तथा देही जीर्णानि शरीराणि विहाय अन्यानि नवानि संयाति ।

English translation:-

As a man casting off worn-out garments puts on new ones, similarly the embodied (Atman), casting off worn-out bodies enters into others that are new.

हिन्दी अनुवाद :-

जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर, दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है; वैसे ही जीवात्मा पुराने तथा जीर्ण शरीरों को त्यागकर, दूसरे नये शरीरों को प्राप्त होता है।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याप्रमाणे माणूस जुनी वस्त्रे टाकून देऊन दुसरी नवी वस्त्रे घालतो; त्याचप्रमाणे आत्मा जुनी शरीरे टाकून, दुसऱ्या नव्या शरीरात प्रवेश करतो.

विनोबांची गीताई :-

सांडुनियां जर्जर जीर्ण वस्त्रें मनुष्य घेतो दुसरीं नवीन
तशीं चि टाकुनि ज़ुनीं शरीरें आत्मा हि घेतो दुसरीं निराळीं ॥ २ - २२ ॥

न एनम् छिन्दन्ति शस्त्राणि न एनम् दहति पावकः ।

न च एनम् क्लेदयन्ति आपः न शोषयति मारुतः ॥ २ - २३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
एनम्	Enam	This (Atman)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
छिन्दन्ति	Chhindanti	cut	काट सकते	कापतात
शस्त्राणि	ShastraaNi	weapons	शस्त्र	शस्त्रे
न	Na	not	नहीं	नाही
एनम्	Enam	This (Atman)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
दहति	Dahati	burns	जला सकती	जाळतो
पावकः	PaavakaH	fire	आग	अग्नी
न	Na	not	नहीं	नाही
च	Cha	and	और	तसेच
एनम्	Enam	This (Atman)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
क्लेदयन्ति	Kledayanti	wet	गला सकता	भिजवतात
आपः	AapaH	water	जल	पाणी
न	Na	not	नहीं	नाही
शोषयति	ShoShayati	dries	सुखा सकता	वाळवतो
मारुतः	MaarutaH	wind	वायु	वारा

अन्वय :-

एनम् शस्त्राणि न छिन्दन्ति एनम् पावकः न दहति एनम् आपः न क्लेदयन्ति (एनम्) मारुतः न शोषयति च।

English translation:-

Weapons do not cleave the Atman and Fire does not burn It. Water does not wet It and Wind does not dry It up.

हिन्दी अनुवाद :-

इस आत्मा को शस्त्र नहीं काट सकते, आग इसको नहीं जला सकती, जल इसको नहीं गला सकता और वायु इसको सुखा नहीं सकती।

मराठी भाषान्तर :-

या आत्म्याला शस्त्रे कापू शकत नाहीत, अग्नी जाळू शकत नाही, पाणी भिजवू शकत नाही आणि वारा वाळवू शकत नाही.

विनोबांची गीताई :-

शस्त्रें न चिरिति ह्यास ह्यास अग्नि न ज़ाळितो
पाणी न भिज़वी ह्यास ह्यास वारा न वाळवी ॥ २ - २३ ॥

अच्छेद्यः अयम् अदाह्यः अयम् अक्लेद्यः अशोष्यः एव च ।

नित्यः सर्वगतः स्थाणुः अचलः अयम् सनातनः ॥ २ - २४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अच्छेद्यः	AchchhedyaH	cannot be cut	अच्छेद्य है	कापता न येणारा
अयम्	Ayam	This Self (Aatman)	यह आत्मा	हा आत्मा
अदाह्यः	AdaahyaH	cannot be burnt	अदाह्य	जाळता न येणारा
अयम्	Ayam	this	यह आत्मा	हा आत्मा
अक्लेद्यः	AkledyaH	cannot be wetted	अक्लेद्य	भिजवता न येणारा
अशोष्यः	AshoShyaH	cannot be dried	अशोष्य है	वाळवता न येणारा
एव	Eva	also	निःसंदेह	निःसंशयपणे
च	Cha	and	और	आणि
नित्यः	NityaH	eternal	नित्य	नित्य
सर्वगतः	SarvagataH	all pervading	सर्वव्यापी	सर्वव्यापी
स्थाणुः	SthaaNuH	stable	स्थिर रहनेवाला	स्थिर राहणारा
अचलः	AchalaH	immovable	अचल	अचल
अयम्	Ayam	This (Aatman)	यह आत्मा	हा आत्मा
सनातनः	SanaatanaH	ancient	सनातन है	सनातन आहे

अन्वय :-

अयम् अच्छेद्यः अयम् अदाह्यः अक्लेद्यः च एव अशोष्यः अयम् नित्यः सर्वगतः अचलः स्थाणुः सनातनः (अस्ति) च ।

English translation:-

This Self (Aatman) is uncleavable, incombustible and neither wetted nor dried. It is eternal, all-pervading, stable, immovable and ancient.

हिन्दी अनुवाद :-

यह आत्मा अच्छेद्य है, यह आत्मा अदाह्य, अक्लेद्य और निःसंदेह अशोष्य है; तथा यह आत्मा सर्वव्यापी, अचल, स्थिर रहनेवाला और सनातन है।

मराठी भाषान्तर :-

कारण हा आत्मा कापता न येणारा, जाळता न येणारा, भिजविता न येणारा आणि निःसंशयपणे वाळवता न येणारा आहे. तसेच हा आत्मा नित्य, सर्वव्यापी, अचल, स्थिर राहणारा आणि सनातन आहे.

विनोबांची गीताई :-

चिरवे ज़ाळवे ना हा भिज़वे वाळवे हि ना
स्थिर निश्चळ हा नित्य सर्व व्यापी सनातन ॥ २ - २४ ॥

अव्यक्तः अयम् अचिन्त्यः अयम् अविकार्यः अयम् उच्यते ।

तस्मात् एवम् विदित्वा एनम् न अनुशोचितुम् अर्हसि ॥ २ - २५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अव्यक्तः	AvyaktaH	unmanifested	अव्यक्त है	अगोचर
अयम्	Ayam	this Self (Aatman)	यह आत्मा	हा आत्मा
अचिन्त्यः	AchintyaH	inconceivable	अचिन्त्य है	विचारांच्या पलीकडे
अयम्	Ayam	this (Aatman)	यह आत्मा	हा आत्मा
अविकार्यः	AvikaaryaH	unchangeable	विकाररहित	विकाररहित
अयम्	Ayam	This (Aatman)	यह आत्मा	हा आत्मा
उच्यते	Uchyate	is said	कहा जाता है	म्हटले जाते
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इससे हे अर्जुन	म्हणून
एवम्	Evam	thus	उपर्युक्त प्रकार से	अशा प्रकारे
विदित्वा	Viditvaa	having known	जानकर	जाणून
एनम्	Enam	this (Self)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
न	Na	not	नहीं	नाही
अनुशोचितुम्	Anushochitum	to grieve	शोक करनेके	शोक करण्यास
अर्हसि	Arhasi	ought / should	योग्य है	योग्य आहे

अन्वय :-

अयम् अव्यक्तः अयम् अचिन्त्यः (च) अयम् अविकार्यः उच्यते । तस्मात् एनम् एवम् विदित्वा (त्वम्) अनुशोचितुम् न अर्हसि ।

English translation:-

This Atman is said to be unmanifested, inconceivable and immutable. Therefore, knowing This Atman as such, you should not grieve.

हिन्दी अनुवाद :-

यह आत्मा अव्यक्त है, यह आत्मा अचिन्त्य है, यह आत्मा विकाररहित कहा जाता है। इससे हे अर्जुन, इस आत्मा को उपर्युक्त प्रकार से जानकर, तुम्हें शोक करना उचित नहीं है।

मराठी भाषान्तर :-

हा आत्मा अगोचर आहे, विचारांच्या पलीकडचा आहे आणि विकाररहित आहे असे म्हटले जाते. म्हणून हे अर्जुना, हा आत्मा वर सांगितल्याप्रमाणे आहे, हे लक्षात घेऊन तू शोक करणे योग्य नाही.

विनोबांची गीताई :-

न देखूं ये न चिंतूं ये बोलिला निर्विकार हा
ज़ाणूनि ह्यापरी आत्मा शोक योग्य नसे तुज ॥ २ - २५ ॥

अथ च एनम् नित्यजातम् नित्यम् वा मन्यसे मृतम् ।

तथापि त्वम् महाबाहो न एनम् शोचितुम् अर्हसि ॥ २ - २६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अथ	Atha	now	किंतु	जरी
च	Cha	and	यदि	परंतु
एनम्	Enam	this Self (Aatman)	इस आत्मा को	हा आत्मा
नित्यजातम्	Nityajaatam	constantly born	सदा जन्मनेवाला	नेहमी जन्माला येणारा
नित्यम्	Nityam	constantly	सदा	सदा
वा	Vaa	or	तथा	तसेच
मन्यसे	Manyase	you think	मानता है	मानत असशील
मृतम्	Mrutam	dead	मरनेवाला	मरणारा
तथापि	Tathaapi	even then	तो भी	तरीसुद्धा
त्वम्	Tvam	you	तू	तू
महाबाहो	Mahaabaaho	mighty armed	हे पराक्रमी अर्जुन !	हे पराक्रमी अर्जुना !
न	Na	not	नहीं	नाही
एनम्	Enam	this	इस प्रकार	अशाप्रकारे
शोचितुम्	Shochitum	to grieve	शोक करने	शोक करण्यास
अर्हसि	Arhasi	should / ought	योग्य है	योग्य आहेस

अन्वय :-

अथ च एनम् नित्यजातम् , नित्यम् वा मृतम् मन्यसे तथापि हे महाबाहो ! त्वम् एनम् शोचितुम् न अर्हसि ।

English translation:-

Even if you conceive of Atman as subject to constant births and deaths, even then, O mighty armed Arjuna, you should not grieve like this.

हिन्दी अनुवाद :-

किंतु यदि तुम इस आत्मा को सदा जन्मनेवाला तथा सदा मरनेवाला मानते हो तो भी , हे पराक्रमी अर्जुन , तुम्हें शोक करना उचित नहीं है ।

मराठी भाषान्तर :-

परन्तु जरी तू हा आत्मा नेहमी जन्मणारा व नेहमी मरणारा आहे असे मानत असशील तरीसुद्धा हे पराक्रमी अर्जुना , तू अशारीतीने शोक करणे योग्य नाही.

विनोबांची गीताई :-

अथवा पाहसी तूं हा मरे जन्मे प्रति क्षणीं
तरी तुज कुठें येथें नसे शोकास कारण ॥ २ – २६ ॥

जातस्य हि ध्रुवः मृत्युः ध्रुवम् जन्म मृतस्य च ।

तस्मात् अपरिहार्ये अर्थे न त्वम् शोचितुम् अर्हसि ॥ २ - २७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
जातस्य	Jaatasya	of the born	जन्मे हुएकी	जन्मास आलेल्याला
हि	Hi	for	क्योंकि (इस मान्यताके अनुसार)	कारण
ध्रुवः	DhruvaH	certain	निश्चित (है)	अटळ
मृत्युः	MrutyuH	death	मृत्यु	मरण
ध्रुवम्	Dhruvam	certain	निश्चित (है)	निश्चित
जन्म	Janma	birth	जन्म	जन्म
मृतस्य	Mrutasya	of the dead	मरे हुएका	मेलेल्याला
च	Cha	and	और	आणि
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इससे भी इस	म्हणून
अपरिहार्ये	Aparihaarye	inevitable	बिना उपायवाले	टाळता न येणाऱ्या
अर्थे	Arthe	for the sake of	विषयमें	गोष्टी विषयी
न	Na	not	नहीं	नाही
त्वम्	Tvam	you	तुम्हें	तू
शोचितुम्	Shochitum	to grieve	शोक करनेको	शोक करण्यास
अर्हसि	Arhasi	ought / should	योग्य है	योग्य आहेस

अन्वय :-

हि जातस्य मृत्युः ध्रुवः मृतस्य च जन्म ध्रुवम् तस्मात् अपरिहार्ये अर्थे त्वम् शोचितुम् न अर्हसि ।

English translation:-

Indeed, death is certain for the born and birth is certain for the dead. Therefore, you should not lament over the inevitable.

हिन्दी अनुवाद :-

क्योंकि इस मान्यता के अनुसार जन्मे हुए की मृत्यु निश्चित है और मरे हुए का जन्म निश्चित है । इससे भी , इस बिना उपायवाले विषय में , तुम्हें शोक करना उचित नहीं है ।

मराठी भाषान्तर :-

कारण असे मानल्यास त्यानुसार जन्मास आलेल्याला मरण अटळ आहे आणि मेलेल्याला पुन्हा जन्म निश्चित आहे . म्हणून या टाळता न येणाऱ्या गोष्टी विषयी , तू शोक करणे योग्य नाही .

विनोबांची गीताई :-

जन्मतां निश्चयें मृत्यु मरतां जन्म निश्चयें
म्हणूनि न टळे त्याचा व्यर्थ शोक करुं नको ॥ २ - २७ ॥

अव्यक्तादीनि भूतानि व्यक्तमध्यानि भारत ।

अव्यक्तनिधनानि एव तत्र का परिदेवना ॥ २ - २८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अव्यक्त	Avyakta	unmanifested	अप्रगट	अप्रगट
आदीनि	Aadeeni	in the beginning	जन्म से पहले	जन्मापूर्वी
भूतानि	Bhootani	living beings	सम्पूर्ण प्राणी	सर्व प्राणी
व्यक्त	Vyakta	manifested	प्रगट	प्रगट
मध्यानि	Madhyaani	in their middle state	मध्य स्थिती में	मध्य स्थितीत
भारत	Bhaarat	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
अव्यक्त	Avyakta	unmanifested	अप्रगट	अप्रगट
निधनानि	Nidhanani	after the death	मरने के बाद	मृत्यूनंतर
एव	Eva	also	भी	ही
तत्र	Tatra	there	ऐसी स्थिति में	अशा परिस्थितीत
का	Kaa	what	क्या	कसला
परिदेवना	Paridevanaa	grief	शोक	शोक

अन्वय :-

हे भारत भूतानि अव्यक्तादीनि (च) अव्यक्तनिधनानि एव (केवलम्) व्यक्तमध्यानि (अथ) तत्र परिदेवना का ?

English translation:-

O Arjuna, living beings are all unmanifest in their origin, manifest in their middle state and unmanifest again after the death. What is the point then for anguish ?

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! सम्पूर्ण प्राणी जन्म से पहले अप्रकट थे और मरने के बाद भी अप्रकट हो जानेवाले हैं, केवल बीच में ही प्रकट हैं, फिर ऐसी स्थिति में क्या शोक करना है ?

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना, सर्व प्राणी जन्मापूर्वी अप्रगट असतात आणि मेल्यानंतरही अप्रगट होणार असतात. फक्त मधल्या अवस्थेत ते प्रगट असतात. मग अशा स्थितीत शोक कशाचा करायचा ?

विनोबांची गीताई :-

भूतांचें मूळ अव्यक्तीं मध्य तो व्यक्त भासतो
पुन्हां शेवट अव्यक्तीं त्यामध्यें शोक कायसा ॥ २ – २८ ॥

आश्चर्यवत् पश्यति कश्चित् एनम् आश्चर्यवत् वदति तथा एव च अन्यः ।

आश्चर्यवत् च एनम् अन्यः शृणोति श्रुत्वा अपि एनम् वेद न च एव कश्चित् ॥ २ - २९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आश्चर्यवत्	Aashcharyavat	as a wonder	आश्चर्य की भाँति	आश्चर्याप्रमाणे
पश्यति	Pashyati	sees	देखता है	पाहतो
कश्चित्	Kashchit	someone	कोई एक महापुरुष ही	कोणी एखादा महापुरुषच
एनम्	Enam	This (Self)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
आश्चर्यवत्	Aashcharyavat	as a wonder	आश्चर्य की भाँति	आश्चर्याप्रमाणे
वदति	Vadati	speaks of	वर्णन करता है	वर्णन करतो
तथा	Tathaa	so	वैसे	त्याप्रमाणे
एव	Eva	also	ही	च
च	Cha	and	तथा	आणि
अन्यः	AnyaH	another	दूसरा कोई (महापुरुष ही)	दुसरा (एखादा महापुरुषच)
आश्चर्यवत्	Aashcharyavat	as a wonder	आश्चर्य की भाँति	आश्चर्याप्रमाणे
च	Cha	and	तथा	तसेच
एनम्	Enam	This (Self)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
अन्यः	AnyaH	yet another	दूसरा कोई (महापुरुष ही)	दुसरा (एखादा महापुरुषच)
शृणोति	Shrunoti	hears	सुनता है	ऐकतो
श्रुत्वा	Shrutva	having heard	सुनकर	ऐकून
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
एनम्	Enam	This (Self)	इस आत्मा को	या आत्म्याला
वेद	Ved	knows	जानता है	जाणतो

न	Na	not	नहीं	नाही
च	Cha	and	और	तसेच
एव	Eva	also	ही	च
कश्चित्	Kashchit	anyone	कोई कोई तो	कोणी

अन्वय : कश्चित् एनम् आश्चर्यवत् पश्यति, तथा एव च अन्यः एवम् आश्चर्यवत् वदति, अन्यः च एनम् आश्चर्यवत् शृणोति, श्रुत्वा अपि च कश्चित् एनम् न वेद।

English translation:-

One beholds the Self (Aatman) as a wonder; another mentions of It (Atman) as a wonder; another again hears of It as a wonder; though hearing It (Atman) yet none knows It at all.

हिन्दी अनुवाद :- कोई एक महापुरुष ही इस आत्मा को आश्चर्य की भाँति देखता है और वैसे ही दूसरा कोई महापुरुष ही इसके तत्त्व का आश्चर्य की भाँति वर्णन करता है तथा दूसरा कोई अधिकारी पुरुष ही इसे आश्चर्य की भाँति सुनता है और कोई कोई तो सुनकर भी इसको नहीं जानता है।

मराठी भाषान्तर :-

एखादा महापुरुषच या आत्म्याला आश्चर्याप्रमाणे पाहतो आणि तसाच दुसरा एखादा महापुरुष या तत्त्वाचे आश्चर्याप्रमाणे वर्णन करतो. तसाच आणखी एखादा अधिकारी पुरुषच याच्याविषयी आश्चर्याप्रमाणे ऐकतो आणि कोणी कोणी तर ऐकूनही याला जाणत नाहीत हे सुद्धा आश्चर्यच आहे.

विनोबांची गीताई :-

आश्चर्य ज़ो साच चि ह्यास देखे आश्चर्य ज़ो देखत ह्यास वर्णी
आश्चर्य ज़ो वर्णन तें हि ऐके ऐके तरी शून्य चि ज़ाणण्याचें ॥ २ - २९ ॥

देही नित्यम् अवध्यः अयम् देहे सर्वस्य भारत ।

तस्मात् सर्वाणि भूतानि न त्वम् शोचितुम् अर्हसि ॥ २ – ३० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
देही	Dehi	Embodied (Aatman)	शरीरधारी (आत्मा)	शरीरधारी (आत्मा)
नित्यम्	Nityam	always	सदा ही	नेहमी
अवध्यः	AvadhyaH	indestructible	अवध्य	मारता न येणारा
अयम्	Ayam	This (Aatman)	यह (आत्मा)	हा (आत्मा)
देहे	Dehe	in the body	शरीरों में	शरीरात
सर्वस्य	Sarvasya	of all	सबके	सर्वांच्या
भारत	Bhaarat	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे भरत कुलोत्पन्न अर्जुना !
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इस कारण	म्हणून
सर्वाणि	SarvaaNi	for all	सम्पूर्ण	सर्व
भूतानि	Bhootaani	creatures	प्राणियों के लिये	प्राणी
न	Na	not	नहीं	नाही
त्वम्	Tvam	you	तुम्हें	तू
शोचितुम्	Shochitum	to grieve	शोक करने	शोक करण्यास
अर्हसि	Arhasi	ought / should	योग्य है	योग्य आहेस

अन्वय :-

हे भारत ! सर्वस्य देहे अयम् देही नित्यम् अवध्यः ; तस्मात् त्वम् सर्वाणि भूतानि शोचितुम् न अर्हसि ।

English translation:-

This, the Indweller in the bodies of all is ever indestructible, O Arjuna, therefore, you should not grieve for any being.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! यह आत्मा सबके शरीरों में सदा ही अवध्य है ; इस कारण , सम्पूर्ण प्राणियों के लिये तुम्हें शोक करना उचित नहीं है ।

मराठी भाषान्तर :-

हे भरतकुलोत्पन्न अर्जुना ! हा आत्मा सर्वांच्या शरीरात नेहमी मारता न येणारा असा असतो . म्हणून सर्व प्राण्यांसाठी , तू शोक करणे योग्य नाही .

विनोबांची गीताई :-

वसे देहांत सर्वांच्या आत्मा अमर नित्य हा
म्हणूनि भूत मात्रीं तूं नको शोक करुं कधीं ॥ २ – ३० ॥

स्वधर्मम् अपि च अवेक्ष्य न विकम्पितुम् अर्हसि ।

धर्म्यात् हि युद्धात् श्रेयः अन्यत् क्षत्रियस्य न विद्यते ॥ २ – ३१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
स्वधर्मम्	Swadharmam	own duty	अपने धर्म को	स्वतःच्या धर्माला
अपि	Api	also	भी	ही
च	Cha	and	तथा	तसेच
अवेक्ष्य	Avekshya	having seen	देखकर	लक्षात घेऊन
न	Na	not	नहीं	नाही
विकम्पितुम्	Vikampitum	to waver	भय करने	भिण्यास
अर्हसि	Arhasi	ought / should	योग्य है	योग्य आहेस
धर्म्यात्	Dharmyaat	than righteous	धर्मयुक्त	धर्माला अनुसरून
हि	Hi	indeed	क्योंकि	कारण
युद्धात्	Yuddhaat	than war	युद्ध से बढकर	युद्धाहून
श्रेयः	ShreyaH	higher (obligatory duty)	कल्याणकारी (कर्तव्य)	कल्याणकारक (कर्तव्य)
अन्यत्	Anyat	other	दुसरा कोई	दुसरे कोणतेही
क्षत्रियस्य	Kshatriyasya	of Kshatriya (warrior)	क्षत्रिय के लिये	क्षत्रियाचे
न	Na	not	नहीं	नाही
विद्यते	Vidyate	is	है	असते

अन्वय :-

स्वधर्मम् च अपि अवेक्ष्य विकम्पितुम् न अर्हसि। हि क्षत्रियस्य धर्म्यात् युद्धात् अन्यत् श्रेयः न विद्यते।

English translation:-

Further looking at your duty, you should not waver; for there is nothing better for a Kshatriya (a warrior) than a righteous war.

हिन्दी अनुवाद :-

तथा अपने धर्म को (कर्तव्य कर्म को) देखकर भी तुझे भय करना योग्य नहीं है, अर्थात् तुझे भय नहीं करना चाहिये; क्योंकि क्षत्रिय के लिये धर्मयुक्त युद्ध से बढ़कर, दूसरा कोई कल्याणकारी कर्तव्य नहीं है।

मराठी भाषान्तर :-

तसेच स्वतःचा धर्म लक्षात घेऊनही, तू भिता कामा नये. कारण क्षत्रियाला क्षात्रधर्माला अनुसरून केलेल्या युद्धापेक्षा, दुसरे कोणतेही कर्तव्य कल्याणकारक नसते.

विनोबांची गीताई :-

स्वधर्म तो हि पाहूनि न योग्य डगणें तुज
धर्म युद्धाहुनी कांहीं क्षत्रियास नसे भलें ॥ २ – ३१ ॥

यदृच्छया च उपपन्नम् स्वर्गद्वारम् अपावृतम् ।

सुखिनः क्षत्रियाः पार्थ लभन्ते युद्धम् ईदृशम् ॥ २ – ३२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यदृच्छया	Yadruchchaya	by itself	अपने आप	आपोआप
च	Cha	and	और	आणि
उपपन्नम्	Upapannam	come	प्राप्त हुए	प्राप्त झालेले
स्वर्गद्वारम्	Svarga-dvaaram	the gate of the heaven	स्वर्ग के द्वाररुप	स्वर्गाचे दार
अपावृतम्	Apaavrutam	opened	खुले हुए	उघडलेले
क्षत्रियाः	KshatriyaaH	warriors	क्षत्रियलोग ही	क्षत्रियांना
पार्थ	Paartha	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
लभन्ते	Labhante	obtain	पाते हैं	प्राप्त होते
युद्धम्	Yuddham	battle	युद्ध को	युद्ध
ईदृशम्	Iidrusham	such	इस प्रकार के	अशाप्रकारचे

अन्वय :-

हे पार्थ ! यदृच्छया उपपन्नम् च ईदृशम् अपावृतम् स्वर्गद्वारम् युद्धम् सुखिनः क्षत्रियाः लभन्ते ।

English translation:-

O Arjuna, happy are the Kshatriyas (warriors), who get such a battle that comes unsought as an open gateway to the heaven.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! अपने आप प्राप्त हुए और खुले हुए स्वर्ग के द्वाररुप इस प्रकार के युद्ध को ; भाग्यवान् क्षत्रियलोग ही पाते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! न मागता , आपोआप समोर आलेले , उघडलेले स्वर्गाचे दारच असे हे युद्ध , भाग्यवान क्षत्रियांनाच लाभते .

विनोबांची गीताई :-

प्राप्त झालें अनायासें स्वर्गाचें द्वार मोकळें
क्षत्रियास महा भाग्यें लाभतें युद्ध हें असें ॥ २ - ३२॥

अथ चेत् त्वम् इमम् धर्म्यम् सङ्ग्राम् न करिष्यसि ।

ततः स्वधर्मम् कीर्तिम् च हित्वा पापम् अवाप्स्यसि ॥ २ - ३३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अथ	Atha	But	किंतु	परंतु
चेत्	Chet	if	यदि	जर
त्वम्	Tvam	you	तू	तू
इमम्	Imam	this	इस	हे
धर्म्यम्	Dharmyam	righteous	धर्मयुक्त	धर्मयुक्त
सङ्ग्रामम्	Sangraamam	warfare	युद्ध को	युद्ध
न	Na	not	नहीं	नाही
करिष्यसि	KariShyasi	will do	करेगा	करशील
ततः	TataH	then	तो	तर मग
स्वधर्मम्	Svadharmam	own duty	स्वधर्म	स्वतःचा धर्म
कीर्तिम्	Keertim	fame	कीर्ति	कीर्ती
च	Cha	and	और	आणि
हित्वा	Hitva	having abandoned	खोकर	गमावून
पापम्	Paapam	sin	पाप	पाप
अवाप्स्यसि	Avaapsyasi	shall incur	प्राप्त होगा	प्राप्त करुन घेशील

अन्वय :-

अथ त्वम् इमम् धर्म्यम् सङ्ग्रामम् न करिष्यसि चेत्, ततः स्वधर्मम् कीर्तिम् च हित्वा पापम् अवाप्स्यसि ।

English translation:-

But if you will not wage this righteous war, then forfeiting your own duty and dignity, you will incur sin.

हिन्दी अनुवाद :-

किंतु यदि तुम इस धर्मयुक्त युद्ध को नहीं करोगे; तो स्वधर्म और कीर्ति को खोकर तुम्हें केवल पापही प्राप्त होगा।

मराठी भाषान्तर :-

परन्तु, जर तू हे धर्मयुद्ध केले नाहीस तर मग, स्वधर्म आणि कीर्ती गमावून तुला पापच लागेल.

विनोबांची गीताई :-

हें धर्म युद्ध टाळुनि पापांत पडशील तूं
स्वधर्मासह कीर्तीस दूर सारुनियां स्वयें ॥ २ - ३३ ॥

अकीर्तिम् च अपि भूतानि कथयिष्यन्ति ते अव्ययाम् ।

सम्भावितस्य च अकीर्तिः मरणात् अतिरिच्यते ॥ २ - ३४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अकीर्तिम्	Akeertim	dishonour	अपकीर्ति का	अपकीर्ती
च	Cha	and	और	आणि
अपि	Api	also	भी	सुद्धा
भूतानि	Bhootaani	living beings	सब लोग	सर्व लोक
कथयिष्यन्ति	Kathayishyanti	will tell	कथन करेंगे	सांगत सुटतील
ते	Te	your	तुम्हारी (अपकीर्ती)	तुझी (अपकीर्ती)
अव्ययाम्	Avyayaam	everlasting	बहुत कालतक रहनेवाली	चिरकाल
सम्भावितस्य	Sambhaavitasya	of the honoured	माननीय पुरुष के लिये	सन्माननीय पुरुषासाठी
च	Cha	and	और	आणि
अकीर्तिः	AkeertiH	dishonour	अपकीर्ति	दुष्कीर्ती
मरणात्	MaraNaat	death	मरण से भी	मरणापेक्षा
अतिरिच्यते	Atirichyate	exceeds	बढकर है	अधिक दुःखकारक असते

अन्वय :-

अपि च भूतानि ते अव्ययाम् अकीर्तिम् कथयिष्यन्ति । सम्भावितस्य च अकीर्तिः मरणात् अतिरिच्यते ।

English translation:-

People will ever recount your perpetual dishonour. To the honoured, dishonour is surely worse than death.

हिन्दी अनुवाद :-

तथा सब लोग तुम्हारी बहुत कालतक रहनेवाली अपकीर्ति का भी कथन करेंगे और माननीय पुरुष के लिये अपकीर्ति मरण से भी बढ़कर है ।

मराठी भाषान्तर :-

तसेच, सर्व लोक तुझी चिरकाल अपकीर्ती सांगत सुटतील आणि सन्माननीय पुरुषाला , मरणापेक्षा दुष्कीर्ती अधिक दुःखकारक वाटते .

विनोबांची गीताई :-

अखंड लोक गातील दुष्कीर्ति जगतीं तुझी
मानवंतास दुष्कीर्ति मरणाहूनि आगळी ॥ २ - ३४ ॥

भयात् रणात् उपरतम् मंस्यन्ते त्वाम् महारथाः ।

येषाम् च त्वम् बहुमतः भूत्वा यास्यसि लाघवम् ॥ २ - ३५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
भयात्	Bhayaat	from fear	भय के कारण	भिऊन
रणात्	RaNaat	from the battle	युद्ध से	रणभूमीतून
उपरतम्	Upratam	withdrawn	हटा हुआ	मागे फिरलेला
मंस्यन्ते	Mansyate	will think	मानेंगे	मानतील
त्वाम्	Tvaam	you	तुम्हें	तुला
महारथाः	MahaarathaaH	the great warriors	महारथी लोग	महारथी लोक
येषाम्	Yeshaam	of whom	जिनकी (दृष्टि में)	ज्यांच्या (दृष्टित)
च	Cha	and	और	आणि
त्वम्	Tvam	you	तुम पहले	तू
बहुमतः	BahumataH	much thought of	बहुत सम्मानित	अतिशय आदरणीय
भूत्वा	Bhootva	Having been	होकर अब	होऊन
यास्यसि	Yaasyasi	will receive	प्राप्त होगा	प्राप्त होशील
लाघवम्	Laaghavam	(undesirable) lower status	लघुता को	क्षुद्रतेप्रत / तुच्छ

अन्वय :-

च येषाम् त्वम् बहुमतः भूत्वा (इदानीम्) लाघवम् यास्यसि (ते) महारथाः त्वाम् भयात् रणात् उपरतम् (इति) मंस्यन्ते ।

English translation:-

The great warriors will consider you as the one who fled from the war, out of fear. Up until now you, that were highly esteemed by them, will be lightly held henceforth.

हिन्दी अनुवाद :-

और जिनकी दृष्टि में, तुम पहले बहुत सम्मानित होते हुए भी, अब लघुता को प्राप्त हो जाओगे। वे महारथी लोग, तुम्हें भय के कारण, युद्ध से हटा हुआ मानेंगे।

मराठी भाषान्तर :-

(शिवाय) ज्यांच्या दृष्टीने तू आधी अतिशय आदरणीय होतास, त्यांच्या दृष्टीने तू आता तुच्छ ठरशील. ते महारथी, "तू भिऊन, रणभूमीतून काढता पाय घेतलास" असे मानतील.

विनोबांची गीताई :-

भिऊनि टाळिलें युद्ध मानितील महा - रथी
असूनि मान्य तूं ह्यांस तुच्छता पावशील कीं ॥ २ - ३५ ॥

अवाच्यवादान् च बहून् वदिष्यन्ति तव अहिताः ।

निन्दन्तः तव सामर्थ्यम् ततः दुःखतरम् नु किम् ॥ २ - ३६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अवाच्य	Avaachya	improper to be spoken	न कहने योग्य	न सांगण्याजोगी
वादान्	Vaadaan	words	वचन	वचने
च	Cha	and	और	आणि
बहून्	Bahoon	many	बहुत से	पुष्कळ
वदिष्यन्ति	VadiShyanti	will say	कहेंगे	बोलतील
तव	Tava	your	तुम्हारे	तुझे
अहिताः	AhitaaH	enemies	वैरी लोग	शत्रू
निन्दन्तः	NindantaH	cavilling	निंदा करते हुए	निन्दा करीत
तव	Tava	your	तुम्हारे	तुझ्या
सामर्थ्यम्	Saamarthyam	power	सामर्थ्य की	सामर्थ्याची
ततः	TataH	than this	उससे	त्याहून
दुःखतरम्	DuHkhataram	more painful	अधिक दुःख	अधिक दुःखदायक
नु	Nu	indeed	और	आणखी
किम्	Kim	what	क्या होगा	काय ?

अन्वय :-

तव अहिताः तव सामर्थ्यम् निन्दन्तः बहून् अवाच्यवादान् च वदिष्यन्ति ततः दुःखतरम् नु किम् ।

English translation:-

Your enemies will also slander your strength and speak many unseemly words. What could be more painful than that?

हिन्दी अनुवाद :-

तुम्हारे वैरी लोग, तुम्हारे सामर्थ्य की निंदा करते हुए तुम्हें बहुत से, न कहने योग्य वचन भी कहेंगे; उससे अधिक दुःख और क्या होगा?

मराठी भाषान्तर :-

तुझे शत्रू तुझ्या सामर्थ्याची निन्दा करीत तुला पुष्कळसे नको नको ते बोलतील. याहून अधिक दुःखदायक काय असणार आहे?

विनोबांची गीताई :-

बोलीतील तुझे शत्रु भलतें भलतें बहु
निंदितील तुझें शौर्य काय त्याहूनि दुःखद ॥ २ – ३६ ॥

हतः वा प्राप्स्यसि स्वर्गम् जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।

तस्मात् उत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ॥ २ - ३७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
हतः	HataH	slain	मारा जाकर	मारला जाऊन
वा	Vaa	or	या तो तुम युद्धमें	अथवा
प्राप्स्यसि	Praapsyasi	you will obtain	प्राप्त होगा	प्राप्त करुन घेशील
स्वर्गम्	Svargam	heaven	स्वर्ग	स्वर्ग
जित्वा	Jitvaa	having conquered	जीतकर	जिंकून
वा	Vaa	or	अथवा संग्राम में	अथवा
भोक्ष्यसे	Bhokshyase	you will enjoy	उपभोग करोगे	भोगशील
महीम्	Maheem	the earth	पृथ्वी (का राज्य)	पृथ्वी (चे राज्य)
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इस कारण	म्हणून
उत्तिष्ठ	Ud-Tishtha	arise	खड़े हो जाओ	उठून उभा राहा
कौन्तेय	Kaunteya	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
युद्धाय	Yuddhaaya	for fight	युद्ध के लिये	युद्धासाठी
कृतनिश्चयः	Kruta - NishchayaH	determined	निश्चय करके	निश्चय केलेला

अन्वय :-

वा (त्वम्) हतः स्वर्गम् प्राप्स्यसि वा (युद्धे) जित्वा महीम् भोक्ष्यसे ।

हे कौन्तेय ! तस्मात् युद्धाय कृतनिश्चयः उत्तिष्ठ ।

English translation:-

If you are slained you will gain heaven; however if you become victorious you will enjoy the earth. Therefore, arise O Arjuna, be determined to fight (this righteous war).

हिन्दी अनुवाद :-

या तो तुम युद्ध में मारे जाकर स्वर्ग को प्राप्त करोगे अथवा संग्राम में जीतकर पृथ्वी के राज्य का उपभोग करोगे । इस कारण , हे अर्जुन , तुम युद्ध के लिये , निश्चय करके , खड़े हो जाओ ।

मराठी भाषान्तर :-

युद्धात तू मारला गेलास तर स्वर्गाला जाशील अथवा युद्धात जिंकलास तर पृथ्वीचे राज्य भोगशील . म्हणून हे अर्जुना , तू युद्धाचा निश्चय कर आणि उठून उभा राहा .

विनोबांची गीताई :-

मेल्यानें भोगिसी स्वर्ग जिंकिल्यानें मही तळ

म्हणूनि अर्जुना ऊठ युद्धास दृढ - निश्चयें ॥ २ - ३७ ॥

सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।

ततः युद्धाय युज्यस्व न एवम् पापम् अवाप्स्यसि ॥ २ - ३८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सुख	Sukha	in pleasure	सुख	सुख
दुःखे	DuHkhe	and pain	दुःख को	दुःख
समे	Same	same	समान	समान
कृत्वा	Krutvaa	having made	समझकर	मानून
लाभालाभौ	Labhaalaabhau	gain and loss	लाभ और हानि	फायदा आणि तोटा
जयाजयौ	Jayaajayau	victory and defeat	जय और पराजय	जय व पराजय
ततः	TataH	then	उसके बाद	त्यानंतर
युद्धाय	Yuddhaaya	for battle	युद्ध के लिये	युद्धासाठी
युज्यस्व	Yujyasva	you engage	तैयार हो जाओ	तयार हो
न	Na	not	नहीं	नाही
एवम्	Evam	thus	इस प्रकार युद्ध करने से तुम्हें	अशा प्रकारे
पापम्	Paapam	sin	पाप	पाप
अवाप्स्यसि	Avaapsyasi	shall incur	प्राप्त होगा	लागणार

अन्वय :-

जयाजयौ लाभालाभौ सुखदुःखे समे कृत्वा ततः युद्धाय युज्यस्व। एवम् पापम् न अवाप्स्यसि ।

English translation:-

Treating alike pleasure and pain, gain and loss, victory and defeat, get ready for the battle. Thus you will incur no sin.

हिन्दी अनुवाद :-

जय - पराजय, लाभ - हानि और सुख - दुःखको समान समझकर; उसके बाद युद्ध के लिये तैयार हो जाओ। इस प्रकार युद्ध करनेसे, तुम्हें पाप नहीं लगेगा।

मराठी भाषान्तर :-

सुख - दुःख, फायदा - तोटा आणि जय - पराजय यांना समान मानून / लेखून, युद्धाला तयार हो. अशा प्रकारे युद्ध केलेस तर, तुला पाप लागणार नाही.

विनोबांची गीताई :-

हानि लाभ सुखें दुःखें हार जीत करीं सम
मग युद्धास हो सिद्ध न लागे पाप तें तुज ॥ २ - ३८ ॥

एषा ते अभिहिता सांख्ये बुद्धिः योगे तु इमाम् शृणु ।

बुद्धया युक्तः यया पार्थ कर्मबन्धम् प्रहास्यसि ॥ २ - ३९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
एषा	Eshaa	this	यह (बुद्धि)	ही (बुद्धी)
ते	Te	to you	तेरे लिये	तुला (तुझ्यासाठी)
अभिहिता	Abhihitaa	declared	कही गयी	सांगितली
सांख्ये	Saankhye	in Samkhya	ज्ञानयोग के विषय में	ज्ञानयोगाच्या बाबतीत
बुद्धिः	BuddhiH	wisdom	बुद्धि	बुद्धी
योगे	Yoge	in the Yoga	कर्मयोग के विषय में	कर्मयोगाच्या बाबतीत
तु	Tu	indeed	और अब तुम	आणि
इमाम्	Imaam	this	इसको	हिला
शृणु	ShruNu	listen	सुन	ऐक
बुद्धया	Budhdyaa	with wisdom	बुद्धि से	बुद्धीने
युक्तः	YuktaH	joined	युक्त हुआ तुम	युक्त झालेला
यया	Yayaa	which	जिस	ज्या
पार्थ	Paartha	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुन !
कर्मबन्धम्	Karma - Bandham	bond of action	कर्मों के बन्धन को	कर्मांच्या बंधनाला
प्रहास्यसि	Pra-haasyasi	You shall cast off	भलीभाँति त्याग देगा	चांगल्या प्रकारे तोडून टाकशील

अन्वय :-

हे पार्थ ! एषा ते सांख्ये बुद्धिः (मया) अभिहिता योगे तु इमाम् (बुद्धिम्) शृणु । यया बुद्धया युक्तः (त्वम्) कर्मबन्धम् प्रहास्यसि ।

English translation:-

This is the wisdom of Sankhya Yoga taught to you. Now listen to the wisdom of Karma Yoga. Endowed with it, O Partha, you shall cast off the bond of Karma / action.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! मैनें अबतक , सांख्यमत का यह ज्ञान , तुमसे कहा और अब तुम इसको , कर्मयोग के विषय में , भी सुनो ; जिस ज्ञान से युक्त होकर तुम कर्मों के बन्धन को , भलीभाँति त्याग कर दोगे अर्थात् सर्वथा नष्ट कर दोगे ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! हा विचार तुला सांख्ययोगाच्या संदर्भात सांगितला . आणि आता कर्मयोगाविषयी ऐक . योगबुद्धीने युक्त असा तू , कर्माचे बंधन , चांगल्या प्रकारे म्हणजेच सहज तोडून टाकशील .

विनोबांची गीताई :-

सांख्य बुद्धि अशी ज्ञाण ऐक ती योग बुद्धि तूं
तोडिशील जिनें सारीं कर्मांचीं बंधनें जगीं ॥ २ - ३९ ॥

न इह अभिक्रमनाशः अस्ति प्रत्यवायः न विद्यते ।

स्वल्पम् अपि अस्य धर्मस्य त्रायते महतः भयात् ॥ २ - ४० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
इह	Iha	in this	इस	या
अभि- क्रम-नाशः	Abhi-Krama-NaashaH	loss of effort	कर्मयोग में आरम्भका अर्थात् बीज का नाश	(कर्मयोगात) आरंभाचा (बीजाचा) नाश
अस्ति	Asti	is	है	होतो
प्रत्यवायः	PratyavaayaH	production of contrary results	उल्टा फलरूप दोष भी	अडथळा
न	Na	not	नहीं	नाही
विद्यते	Vidyate	is	है	असतो
स्वल्पम् / सु-अल्पम्	Su-Alpam	very little	थोड़ासा	थोडेसे
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
अस्य	Asya	of this	इस कर्मयोग को	या (कर्मयोगरूपी)
धर्मस्य	Dhamasya	duty	धर्म का	धर्माचे
त्रायते	Traayate	protects	रक्षा कर लेता है	रक्षण करते
महतः	MahataH	great	महान्	मोठ्या
भयात्	Bhayaat	from fear	भय से	भयापासून

अन्वय :-

इह अभिक्रमनाशः न अस्ति प्रत्यवायः न विद्यते अस्य धर्मस्य स्वल्पम् अपि (अनुष्ठानम्) महतः भयात् त्रायते ।

English translation:-

In this there is no loss of effort, also there is no adverse effect. The practice of even a little of this dharma protects one from great fear.

हिन्दी अनुवाद :-

इस कर्मयोग में आरम्भ का अर्थात् बीज का नाश नहीं है और उल्टा फलरूप दोष भी नहीं है बल्कि इस कर्मयोगरूप धर्म का थोड़ासा भी साधन जन्म मृत्युरूप महान् भय से रक्षा कर लेता है।

मराठी भाषान्तर :-

या कर्मयोगात आरंभाचा नाश होत नाही आणि उलट यांत विघ्नेही येत नाहीत. इतकेच नव्हे तर या कर्मयोगरूप धर्माचे थोडेसेही आचरण केले तरी मोठ्या भयापासून रक्षण होते.

विनोबांची गीताई :-

न बुडे येथ आरंभ न घडे विपरीत हि
ज़ोडा स्वल्प हि हा धर्म तारी मोठ्या भयांतुनी ॥ २ - ४० ॥

व्यवसायात्मिका बुद्धिः एका इह कुरुनन्दन ।

बहुशाखाः हि अनन्ताः च बुद्धयः अव्यवसायिनाम् ॥ २ - ४१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
व्यवसायात्मिका	Vyavasaayaa-tmikaa	resolute	निश्चयात्मिका	व्यवसायात स्थिर राहणारी
बुद्धिः	BuddhiH	determination	बुद्धि	बुद्धी
एका	Ekaa	single	एक ही	एकच
इह	Iha	here	इस (कर्मयोग में)	या (कर्मयोगात)
कुरुनन्दन	Kuru-nanadan	O joy of Kurus !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
बहुशाखाः	Bahu-ShaakhaaH	many branched	बहुत भेदोंवाली	पुष्कळ फाटे फुटलेल्या
हि	Hi	indeed	निश्चय ही	खात्रीने
अनन्ताः	AnantaaH	endless	अनन्त होती है	असंख्य
च	Cha	and	और	आणि
बुद्धयः	Buddhayah	thoughts	बुद्धियाँ	विचारांना
अ-व्यवसायिनाम्	Avyava-saayinaam	of the irresolute	अस्थिर विचारवाले विवेकहीन सकाम मनुष्यों की	मन चंचल असणाऱ्या अविचारी आसक्तियुक्त माणसांच्या विचारांना

अन्वय :-

हे कुरुनन्दन ! इह व्यवसायात्मिका एका एव बुद्धिः (भवति) ।

अव्यवसायिनाम् बुद्धयः हि अनन्ताः बहुशाखाः च (सन्ति) ।

English translation:-

Here the intellect is resolute and one pointed. O Arjuna, many branched and endless indeed are the thoughts of irresolute.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! इस कर्मयोग में , निश्चयात्मिका बुद्धि एक ही होती है ; किंतु अस्थिर विचारवाले , विवेकहीन , सकाम मनुष्यों की बुद्धियाँ , निश्चय ही बहुत भेदोंवाली और अनन्त होती हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! या कर्मयोगात , व्यवसायात स्थिर राहणारी एकच बुद्धी उपयोगी असते. परंतु मन चंचल असणाऱ्या , अविचारी , आसक्तियुक्त माणसांच्या विचारांना , खात्रीने पुष्कळ फाटे फुटलेले असतात .

विनोबांची गीताई :-

ह्यांत निश्चय लाभूनि बुद्धि एकाग्र राहते

निश्चयाविण बुद्धीचे फाटे ते संपती चि ना ॥ २ - ४१ ॥

याम् इमाम् पुष्पिताम् वाचम् प्रवदन्ति अविपश्चितः ।

वेदवादरताः पार्थ न अन्यत् अस्ति इति वादिनः ॥ २ - ४२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
याम्	Yaam	which	जिस	जिला
इमाम्	Imaam	this	इस प्रकार की	हिला (अशाप्रकारची)
पुष्पिताम्	PuShpitaam	flowery	पुष्पित यानी दिखाऊ शोभायुक्त	दिखाऊ / अलंकारिक
वाचम्	Vaacham	speech	वाणी को	वाणी
प्रवदन्ति	Pravadanti	utter	कहा करते हैं	उच्चारतात
अविपश्चितः	A-vipashchitaH	the unwise	(वे) अविवेकीजन	अविवेकी लोक
वेदवादरताः	Veda-Vada-RataaH	rejoicing in the words of the Vedas	जो कर्मफल के प्रशंसक वेद वाक्यों में ही प्रीति रखते हैं	वेदांच्या विचारांत ज्यांची प्रीती आहे
पार्थ	Paartha	O Arjun !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
न	Na	not	नहीं	नाही
अन्यत्	Anyat	other	दुसरी (कोई वस्तु ही)	दुसरी (कोणतीही वस्तू)
अस्ति	Asti	is	है	आहे
इति	Iti	thus	ऐसा	असे
वादिनः	VaadinaH	saying	कहनेवाले हैं	म्हणणारे

अन्वय :-

हे पार्थ ! वेदवादरताः अन्यत् न अस्ति इति वादिनः । अविपश्चितः याम् इमाम् पुष्पिताम् वाचम् प्रवदन्ति ।

English translation:-

The unwise take delight in the mere words of the Vedas and utter in flowery language that, there is nothing else other than the rituals in the Vedas.

हिन्दी अनुवाद :-

अस्थिर मनवाले , अविवेकी मनुष्य अपने पर्यायों का वर्णन और उन्हें पानेके विभिन्न मार्गों को , बड़े सुन्दर शब्दों में प्रस्तुत करते हैं ; क्योंकि उन्हें वेदों में वर्णित कर्मकाण्ड पर तर्क करने सिवाय अन्य कोई मार्ग नहीं सूझता ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! वेदांच्या बाह्य - अर्थामध्ये रममाण झालेले , या शिवाय दुसरे काहीही नाही असे म्हणणारे , अविवेकी , अविद्वान या प्रकारची दिखाऊ , अलंकारिक आणि रमणीय भाषा बोलतात .

विनोबांची गीताई :-

अविवेकी वृथा वाणी बोलती फुलवूनियां
वेदाचे घालिती वाद म्हणती दुसरें नसे ॥ २ - ४२ ॥

कामात्मानः स्वर्गपराः जन्मकर्मफलप्रदाम् ।

क्रियाविशेषबहुलाम् भोग - ऐश्वर्यगतिम् प्रति ॥ २ - ४३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कामात्मानः	Kaama-atmanaH	full of desires	जो भोगों में तन्मय हो रहे हैं	भोगात तन्मय झालेले
स्वर्गपराः	Svarga-paraaH	with heaven as their highest goal	जिनकी बुद्धि में स्वर्ग ही परम प्राप्य वस्तु है	स्वर्गच ज्यांना परम प्राप्य वस्तु वाटते
जन्मकर्मफलप्रदाम्	Janma-karma-Phala-Pradaam	leading to new birth as a result of their deeds / works	जन्मरुप कर्मफल देनेवाली	जन्मरूपी कर्मफळ देणारी
क्रियाविशेष-बहुलाम्	Kriyaa-Vishesh-Bahulaam	exuberant with various specific rites	नाना प्रकार की बहुत सी क्रियाओं को वर्णन करनेवाली है	अनेक क्रियांचे वर्णन करणारी
भोग-ऐश्वर्य-गतिम्	Bhoga-Aishvarya-Gatim	the attainment of pleasure and power	भोग तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति के	भोग आणि ऐश्वर्य यांची प्राप्ती
प्रति	Prapti	towards / for	लिये	साठी

अन्वय :-

कामात्मानः स्वर्गपराः जन्मकर्मफलप्रदाम् क्रियाविशेषबहुलाम् भोग - ऐश्वर्यगतिम् प्रति ।

English translation:-

The unwise, obsessed with desires, with heaven as the ultimate goal of birth and action, prescribe many specific rites for attainment of pleasure and power.

हिन्दी अनुवाद :-

वे अविवेकी यह मानते हैं कि ये कर्मकाण्ड उनकी कामनाओं की पूर्ति कराने वाले, उनके द्वारा किये हुए कर्मों के फलस्वरुप स्वर्ग के भोग और ऐश्वर्य प्राप्त करा सकते हैं; इसलिये उसके लिये विशेष प्रकार के आयोजनादि करते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

भोगात तन्मय झालेले, स्वर्ग हाच परमपुरुषार्थ मानणारे हे अविवेकी लोक, जन्मरूपी कर्मफळ देणारी, भोग व ऐश्वर्य प्राप्तीसाठी अनेक प्रकारची विशेष कर्मकांडे सांगतात.

विनोबांची गीताई :-

जन्मूनियां करा कर्मे मिळवा भोग-वैभव
भोगा कर्म फळें गोड सांगती स्वर्ग-कामुक ॥ २ - ४३ ॥

भोग - ऐश्वर्य - प्रसक्तानाम् तया अपहृत - चेतसाम् ।

व्यवसायात्मिका बुद्धिः समाधौ न विधीयते ॥ २ - ४४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
भोग	Bhoga	pleasure	भोग	भोग
ऐश्वर्य	Aishvarya	power	ऐश्वर्य	ऐश्वर्य
प्रसक्तानाम्	Pra-saktaanaam	of the people deeply attached	अत्यन्त आसक्त हैं (उन पुरुषों की)	आसक्ती असणाऱ्या (पुरुषांच्या)
तया	Tayaa	by that	उस (वाणी द्वारा)	त्या (वाणीने)
अपहृत-चेतसाम्	Apahruta-chetasaam	whose minds are drawn away	जिनका चित्त हर लिया गया है	ज्यांची मने आकृष्ट केली आहेत
व्यवसायात्मिका	Vyavasaa-yaatmika	determined	निश्चयात्मिका	निश्चयात्मिका
बुद्धिः	BuddhiH	intellect	बुद्धि	बुद्धी
समाधौ	Samaadhau	in Samadhi	परमात्मा में एकाग्र	परमात्म्याच्या ठिकाणी एकाग्र
न	Na	not	नहीं	नाही
विधीयते	Vidheeyate	is fixed	होती	स्थिर असते

अन्वय :-

तया अपहृतचेतसाम् भोग - ऐश्वर्य - प्रसक्तानाम् समाधौ व्यवसायात्मिका बुद्धिः न विधीयते ।

English translation:-

Those who are attached to pleasure and power, whose minds are drawn away by that (flowery speech), have no determined intellect fixed in Samadhi (God consciousness).

हिन्दी अनुवाद :-

भोग तथा ऐश्वर्य ने जिनका चित्त हर लिया है , ऐसे व्यक्तियों के अन्तःकरण में , भगवत्प्राप्ति का दृढ निश्चय नहीं होता , और इसी कारण वे परमात्मा का ध्यान नहीं कर सकते ।

मराठी भाषान्तर :-

त्या दिखाऊ, शोभायुक्त वाणीने ज्यांची मने आकृष्ट केली आहेत अशा भोग व ऐश्वर्य यांत आसक्ती असणाऱ्या पुरुषांची स्थिर बुद्धी , परमात्म्याच्या ठिकाणी एकाग्र होत नाही .

विनोबांची गीताई :-

त्यामुळें भुलली बुद्धि गुंतली भोग वैभवीं
ती निश्चय न लाभूनि समाधींत नव्हे स्थिर ॥ २ - ४४ ॥

त्रैगुण्यविषयाः वेदाः निस्त्रैगुण्यः भव अर्जुन ।

निर्द्वन्द्वः नित्यसत्त्वस्थः निर्योगक्षेमः आत्मवान् ॥ २ - ४५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
त्रैगुण्य	TraiguNya	three attributes	सत्व रज और तम जैसे तीन गुण	सत्व, रज व तम असे तीन गुण
विषयाः	VishayaaH	deal with	विषयों में	यांच्या बाबतीत
वेदाः	VedaaH	Vedas	वेद (वर्णन करते हैं)	वेद (सांगतात)
निस्त्रैगुण्यः	NistraigunyaH	without these three attributes	उन तीन गुणों के बिना	त्या तीन गुणांच्या पलीकडे
भव	Bhava	be	हो	तू हो
अर्जुन	Arjuna	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
निर्-द्वन्द्वः	Nir-dvandvaH	free from the pairs of opposites	हर्ष शोकादि द्वन्दों से रहित	सुख दुःखादी द्वंद्वमुक्त
नित्य-सत्त्व -स्थः	Nitya-sattva-sthaH	ever remaining in Sattva	नित्यवस्तु परमात्मा में स्थित	नेहमी सत्त्वगुणी
निर्-योग-क्षेमः	Nir-yoga-kshemaH	free from (the thought of) acquisition and preservation	योग क्षेम को न चाहनेवाला	वस्तूची प्राप्ती व रक्षण यांचा विचार न करणारा
आत्मवान्	Aatmavaan	established in the Self	स्वाधीन अन्तःकरण वाला	स्वाधीन अन्तःकरण असणारा

अन्वय :-

हे अर्जुन ! वेदाः त्रैगुण्यविषयाः । (अतः त्वम्) निस्त्रैगुण्यः निर्द्वन्द्वः नित्यसत्त्वस्थः निर्योगक्षेमः (च) आत्मवान् भव ।

English translation:-

The Vedas illustrate the three Gunas (Sattva, Raja and Tama) - attributes. You transcend the three attributes, O Arjuna ! Be free from the pairs of opposites, ever-balanced, remain ever in Sattva, unconcerned with acqusition and preservation of wealth and be established in the Self.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! वेद उपर्युक्त प्रकारसे सत्त्व, रज और तम इन तीनों गुणों के कार्यरुप समस्त भोगों एवं उनके साधनों का प्रतिपादन करनेवाले हैं ; इसलिये , तुम उन भोगों एवं उनके साधनोंमें आसक्तिहीन , हर्ष - शोकादि द्वन्दोंसे रहित , नित्यवस्तु परमात्मामें स्थित , योग - क्षेमको न चाहनेवाले , और स्वाधीन अन्तःकरणवाले हो जाओ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! सत्त्व, रज व तम या तीन गुणांचे वर्णन वेद करतात . तू तिन्ही गुणांच्या पलीकडे जा . सुख - दुःखादी द्वंद्वमुक्त, नित्य सत्त्व गुणात स्थिर , वस्तूची प्राप्ती व रक्षण यांचा विचार न करणारा आणि स्वाधीन अन्तःकरण असणारा तू हो .

विनोबांची गीताई :-

तिन्ही गुण वदे वेद त्यांत राहें अलिप्त तूं
सत्त्व सोडूं नको सोशीं द्वंद्वें निश्चिंत सावध ॥ २ - ४५ ॥

यावान् अर्थः उदपाने सर्वतः संप्लुत उदके ।

तावान् सर्वेषु वेदेषु ब्राह्मणस्य विजानतः ॥ २ - ४६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यावान्	Yaavaan	as much	जितना	जेवढे
अर्थः	ArthaH	use	प्रयोजन	प्रयोजन
उदपाने	Udpaane	in a pond	छोटे जलाशय में	लहानशा जलाशयात
सर्वतः	SarvataH	everywhere	सब ओरसे	सर्व बाजूंनी
संप्लुत	Sampluta	being flooded with	परिपूर्ण	परिपूर्ण
उदके	Udake	water	जलाशय के	जलाशयात
तावान्	Taavaan	so much use	उतना	तितकेच
सर्वेषु	Sarveshu	in all	समस्त	सर्व
वेदेषु	Vedeshu	in the Vedas	वेदों में	वेदांमध्ये
ब्राह्मणस्य	BraahmaNa-sya	of a Brahmana	ब्राह्मण का	ब्रह्मज्ञानी पुरुषाला
विजानतः	VijaanataH	of the knowing	ब्रह्म को तत्व से जाननेवाले	ब्रह्मज्ञान प्राप्त झालेल्या

अन्वय :-

यावान् सर्वतः संप्लुत उदके उदपाने अर्थः (अस्ति) तावान् विजानतः ब्राह्मणस्य सर्वेषु वेदेषु (अर्थः अस्ति)।

English translation:-

To an enlightened Brahmana, all the Vedas are as useful as a pond, where there is water flooded everywhere.

हिन्दी अनुवाद :-

सब ओरसे परिपूर्ण जलाशय के प्राप्त हो जानेपर, छोटे जलाशय में मनुष्य का जितना प्रयोजन रहता है; ब्रह्म को तत्वसे जाननेवाले ब्राह्मण का समस्त वेदों में यानि वैदिक कर्मकाण्डों में उतना ही महत्व रहता है।

मराठी भाषान्तर :-

सर्व बाजूंनी भरलेला मोठा जलाशय मिळाल्यावर, मनुष्याला लहान जलाशयाचे जेवढे प्रयोजन असते, तेवढेच ब्रह्मज्ञानी पुरुषास वेदांचे प्रयोजन असते.

विनोबांची गीताई :-

सर्वत्र भरलें पाणी तेव्हां आडांत अर्थ जो
विज्ञानी ब्रह्मवेत्त्यास सर्व वेदांत अर्थ तो ॥ २ - ४६ ॥

कर्मणि एव अधिकारः ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुः भूः मा ते सङ्गः अस्तु अकर्मणि ॥ २ - ४७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कर्मणि	KarmaNi	in action	कर्म करने में	कर्म करण्या विषयी
एव	Eva	only	ही	च
अधिकारः	AdhikaaraH	right	अधिकार (है)	अधिकार (आहे)
ते	Te	your	तुम्हारा	तुझा
मा	Maa	not	नहीं	नाही
फलेषु	Phaleshu	in fruits	फलों में	फळांवर
कदाचन	Kadaachana	at any time	कभी	कधीही
मा	Maa	not	नहीं	नाही
कर्म-फल-हेतुः	Karma-Phala-HetuH	motive for the fruits of action (favourable outcome)	कर्मों के फल का हेतु	कर्मांच्या फळांचा हेतू
भूः	BhooH	be	हो	हो
मा	Maa	not	नहीं	नाही
ते	Te	you	तुम्हारी	तुझी
सङ्गः	SangaH	attachment	आसक्ति	आसक्ती
अस्तु	Astu	be	हो	असू दे
अ-कर्मणि	AkarmaNi	in inaction	कर्म न करनेमें	कर्म न करण्याबाबत

अन्वय :-

ते अधिकारः कर्मणि एव कदाचन फलेषु मा। कर्मफलहेतुः मा भूः। ते सङ्गः अकर्मणि मा अस्तु ।

English translation:-

Your right is in action only, never to the fruits of action. Let not the fruits of action (favourable outcome) be your (sole) motive, nor let your attachment be to inaction.

हिन्दी अनुवाद :-

तेरा कर्म करने में ही अधिकार है। उसके फलों में कभी नहीं। इसलिये तुम कर्मों के फल की इच्छा मन में मत रखो, तथा तुम्हारी कर्म न करने में भी आसक्ति न हो।

मराठी भाषान्तर :-

तुला कर्म करण्याचाच फक्त अधिकार आहे. त्याच्या फळांवर कधीही नाही. म्हणून तू कर्मांच्या फळांची अपेक्षा करणारा होऊ नकोस. तसेच कर्म न करण्याकडेही तुझी प्रवृत्ती असता कामा नये.

विनोबांची गीताई :-

कर्मांत चि तुझा भाग तो फळांत नसो कधीं
नको कर्मफळीं हेतु अकर्मीं वासना नको ॥ २ - ४७ ॥

योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गम् त्यक्-त्वा धनञ्जय ।

सिद्धिः असिद्धयोः समः भूत्वा समत्वम् योगः उच्यते ॥ २ – ४८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
योगस्थः	YogasthaH	steadfast in Yoga	योग में स्थित हुआ	योगामध्ये स्थित होऊन
कुरु	Kuru	perform	तुम करो	तू कर
कर्माणि	KarmaaNi	action	कर्तव्य कर्मों को	कर्तव्य कर्मे
सङ्गम्	Sangam	attachment	आसक्ति को	आसक्ती
त्यक्त्वा	Tyaktvaa	having abandoned	त्यागकर	त्याग करून
धनञ्जय	Dhananjaya	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
सिद्धिः	SiddhiH	in success	यश (और)	यशात (आणि)
असिद्धयोः	AsiddhyoH	and in failure	अपयश में	अपयशात
समः	SamaH	the same	समान बुद्धिवाला	समतोल
भूत्वा	Bhootva	having become	होकर	राखून
समत्वम्	Samatvam	evenness of mind	मन का संतुलन	मनाचे संतुलन
योगः	YogaH	Yoga	योग	योग
उच्यते	Uchyate	is called	कहलाता है	म्हटले आहे

अन्वय :- हे धनञ्जय ! सङ्गम् त्यक्-त्वा (च) सिद्धिः असिद्धयोः समः भूत्वा योगस्थः कर्माणि कुरु । समत्वम् योगः उच्यते ।

English translation:-

Perform action, O Arjuna, being steadfast in Yoga, renouncing attachments, even-mindedness in success and failure. Equilibrium of mind, body and intellect is verily called as Yoga.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! तुम परमात्मा के ध्यान और चिंतन में स्थित होकर , सभी प्रकार की आसक्तियों को त्यागकर तथा सफलता और असफलता में सम होकर , अपने कर्तव्यकर्मों का भलीभाँति पालन करो । मन का समत्व भाव में रहना ही योग कहलाता है।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! तू फळांच्या आसक्तीचा त्याग करून , तसेच यशात आणि अपयशात समतोल राखून , स्थिर चित्ताने कर्तव्यकर्मे कर . या मनाच्या संतुलनालाच समत्वयोग असे म्हणतात .

विनोबांची गीताई :-

फळ लाभो न लाभो तूं निःसंग सम होउनी
योग-युक्त करीं कर्मे योग-सार समत्व चि ॥ २ – ४८ ॥

दूरेण हि अवरम् कर्म बुद्धियोगात् धनञ्जय ।

बुद्धौ शरणम् अन्विच्छ कृपणाः फलहेतवः ॥ २ - ४९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दूरेण	DooreNa	by far	अत्यन्त	अत्यन्त
हि	Hi	indeed	क्योंकि	कारण
अवरम्	Avaram	inferior	निम्न श्रेणी का है	खालच्या श्रेणीचे
कर्म	Karma	action	सकाम कर्म	(सकाम) कर्म
बुद्धियोगात्	Buddhi - Yogaat	in comparison with wisdom	बुद्धियोग से	योगापेक्षा (समत्व) बुद्धी
धनञ्जय	Dhananjaya	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
बुद्धौ	Buddhau	in wisdom	समबुद्धि में	समत्व बुद्धीमध्ये
शरणम्	SharaNam	refuge	रक्षा का उपाय	आश्रय (स्वतःच्या रक्षणाचा उपाय)
अनु-इच्छ	Anu - Ichchha	seek	ढूँढो	तू शोध
कृपणाः	KrupaNaaH	wretched	अत्यन्त दीनहीन	अत्यन्त निकृष्ट
फल-हेतवः	Phala-hetavaaH	seekers after fruits	फल की अपेक्षा करनेवाले	फळांच्या अपेक्षेने कर्म करणारे लोक

अन्वय :-

बुद्धियोगात् कर्म दूरेण अवरम् (अतः) हे धनञ्जय बुद्धौ शरणम् अन्विच्छ हि फलहेतवः कृपणाः (सन्ति)।

English translation:-

O Arjuna, motivated action is, far inferior to that performed with the equanimity of mind, take refuge in the evenness of the mind; wretched are the result seekers.

हिन्दी अनुवाद :-

बुद्धियोग से सकाम कर्म अत्यन्त ही निम्न श्रेणीका होता है, इसलिये हे अर्जुन! तुम समबुद्धि में ही, रक्षा का उपाय ढूँढो; अर्थात् बुद्धियोग का ही आश्रय ग्रहण करो। क्योंकि, फल की अपेक्षा करनेवाले अत्यन्त दीनहीन होते हैं।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना! या समत्वरूप बुद्धियोगापेक्षा सकाम कर्म हे अत्यन्त खालच्या श्रेणीचे आहे. म्हणून समत्वबुद्धीमध्येच तू आत्मरक्षणाचा उपाय शोध. कारण फळांच्या अपेक्षेने कर्म करणारे लोक अत्यन्त निकृष्ट दर्जाचे असतात.

विनोबांची गीताई :-

समत्व-बुद्धि ही थोर कर्म तीहूनि हीन च
बुद्धीचा आसरा घे तूं मागती फळ दीन ते ॥ २-४९ ॥

बुद्धियुक्तः जहाति इह उभे सुकृतदुष्कृते ।

तस्मात् योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम् ॥ २ - ५० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
बुद्धियुक्तः	Buddhi-yuktaH	endowed with wisdom	समबुद्धियुक्त पुरुष	समत्वबुद्धीने युक्त असा पुरुष
जहाति	Jahaati	casts off	त्याग देता है (अर्थात् उनसे मुक्त हो जाता है)	त्याग करतो (म्हणजेच त्यातून मुक्त होऊन जातो)
इह	Iha	in this life	इसी लोक में	या पृथ्वीतलावरच
उभे	Ubhe	both	दोनों को	या दोहोंचाही
सुकृत	Sukruta	good	पुण्य	पुण्य
दुष्कृते	DuShkrute	and evil deeds	पाप	पापकर्मे
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इससे	म्हणून
योगाय	Yogaaya	to Yoga	समत्वरुप योग में	(समत्वरूप) योगाला
युज्यस्व	Yujyasva	be united	लगे रहो	आत्मसात कर
योगः	YogaH	Yoga	समत्वरुप योग	(समत्वरूप) योग
कर्मसु	Karmasu	in actions	कर्मों में	कर्मातील
कौशलम्	Kaushalam	skill	कुशलता	कुशलता

अन्वय :-

इह बुद्धियुक्तः उभे सुकृतदुष्कृते जहाति। तस्मात् योगाय युज्यस्व। योगः कर्मसु कौशलम् ।

English translation:-

United to knowledge, one sheds here both good and bad deeds, therefore devote yourself to Yoga. Skill in action is verily Yoga.

हिन्दी अनुवाद :-

समबुद्धियुक्त पुरुष पाप और पुण्य दोनों को इसी लोक में त्याग देता है अर्थात् उनसे मुक्त हो जाता है। इसीलिये, तुम समत्वरुप योग में लगे रहो। यह समत्वरुप योग ही कर्मों में कुशलता है; अर्थात् कर्मबन्धन से छूटने का उपाय है।

मराठी भाषान्तर :-

समत्वबुद्धीने युक्त असा पुरुष, या पृथ्वीतलावरच पुण्यकर्मे व पापकर्मे या दोहोंचाही त्याग करतो, म्हणजेच त्यातून मुक्त होतो. म्हणून तू समत्वरूप योगाला आत्मसात कर. कर्मातील कुशलता म्हणजेच समत्वरूप योग होय.

विनोबांची गीताई :-

येथे समत्व बुद्धीनें टळे सुकृत दुष्कृत
समत्व ज़ोड ह्यासाठीं तें चि कर्मांत कौशल ॥ २-५० ॥

कर्मजम् बुद्धियुक्ताः हि फलम् त्यक्-त्वा मनीषिणः ।

जन्मबन्धविनिर्मुक्ताः पदम् गच्छन्ति अनामयम् ॥ २ - ५१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कर्मजम्	Karmajam	action born	कर्मों से उत्पन्न होनेवाले	कर्मांपासून उत्पन्न होणाऱ्या
बुद्धियुक्ताः	Buddhi - YuktaaH	united to knowledge	समबुद्धि से युक्त	समत्वबुद्धीने युक्त
हि	Hi	indeed	क्योंकि	कारण
फलम्	Phalam	fruit	फल को	फळाचा
त्यक्-त्वा	Tyaktvaa	having abandoned	त्यागकर	त्याग करून
मनीषिणः	Manee-ShiNaH	the wise	ज्ञानीजन	ज्ञानीजन
जन्म-बन्ध	Janma-Bandha	bond of birth	जन्मरुप बन्धन (से)	जन्मरूपी बंधन
विनिर्मुक्ताः	Vinir-muktaaH	liberated from	मुक्त होकर	मुक्त होऊन
पदम्	Padam	the abode	परम पद को	परम पद
गच्छन्ति	Gachchhanti	go	प्राप्त हो जाते हैं	प्राप्त करून घेतात
अनामयम्	Anaamayam	beyond evil	निर्विकार	निर्दोष

अन्वय :-

हि बुद्धियुक्ताः मनीषिणः कर्मजम् फलम् त्यक्-त्वा जन्मबन्धविनिर्मुक्ताः अनामयम् पदम् गच्छन्ति ।

English translation:-

The wise, united to knowledge, renouncing the fruits of their actions, liberated from the bond of birth, reach the state beyond evil.

हिन्दी अनुवाद :-

(क्योंकि) समबुद्धि से युक्त ज्ञानीजन, कर्मों से उत्पन्न होनेवाले फल को त्यागकर और जन्मरुप बन्धन से मुक्त होकर, निर्विकार परम पद को प्राप्त हो जाते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

(कारण) समत्वबुद्धीने युक्त असे ज्ञानीजन कर्मांपासून उत्पन्न होणाऱ्या फळाचा त्याग करून जन्मरूपी बंधनातून मुक्त होऊन निर्दोष परमपद प्राप्त करून घेतात .

विनोबांची गीताई :-

ज्ञानी समत्व बुद्धीनें कर्माचें फळ सोडुनी
जन्माचे तोडिती बंध पावती पद अच्युत ॥ २ - ५१ ॥

यदा ते मोहकलिलम् बुद्धिः व्यतितरिष्यति ।

तदा गन्तासि निर्वेदम् श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च ॥ २ - ५२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यदा	Yadaa	when	जिस काल में	जेव्हा
ते	Te	your	तेरी	तुझी
मोहकलिलम्	Mohakalilam	mire of delusion	मोहरुप दलदल को	मोहापासून उत्पन्न होणारी मलिनता
बुद्धिः	BuddhiH	intellect	बुद्धि	बुद्धी
व्यतितरिष्यति	Vyatitarishyati	will cross	भलीभाँति पार कर जाएगी	पूर्णपणे पार करून जाईल
तदा	Tadaa	then	उस समय (तुम)	तेव्हा
गन्तासि	Gantaasi	you shall attain	प्राप्त हो जाएगा	प्राप्त होईल
निर्वेदम्	Nirvedam	to indifference	वैराग्य को	वैराग्य
श्रोतव्यस्य	Shrotavyasya	of what is to be heard	सुनने में आनेवाले	ऐकिवात येणाऱ्या
श्रुतस्य	Shrutasya	of what has been heard	सुने हुए	ऐकलेल्या
च	Cha	and	और	आणि

अन्वय :-

यदा ते बुद्धिः मोहकलिलम् व्यतितरिष्यति तदा श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च निर्वेदम् गन्तासि ।

English translation:-

When your intellect will cross the mire of delusion, then you will grow indifferent to what has been heard and what is yet to be heard.

हिन्दी अनुवाद :-

जिस काल में तुम्हारी बुद्धि, मोहरुप दलदल को भलीभाँति पार कर जायेगी, उस समय तुम सुने हुए और सुननेमें आनेवाले, इस लोक और परलोक सम्बन्धी सभी भोगों से वैराग्य को प्राप्त हो जाओगे।

मराठी भाषान्तर :-

जेव्हा तुझी बुद्धी मोहापासून उत्पन्न होणारी मलिनता पूर्णपणे पार करून जाईल, तेव्हा तुला इह-परलोकातील श्राव्य आणि श्रवणीय भोगांविषयी वैराग्य प्राप्त होईल.

विनोबांची गीताई :-

लंघूनि बुद्धि ज़ाईल ज़ेव्हां हा मोह कर्दम
आलें येईल जें कानीं तेव्हां जिरविशील तूं ॥ २-५२ ॥

श्रुतिविप्रतिपन्ना ते यदा स्थास्यति निश्चला ।

समाधौ अचला बुद्धिः तदा योगम् अवाप्स्यसि ॥ २ - ५३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्रुति-वि-प्रति-पन्ना	Shruti-vi-prati-pannaa	perplexed by what has been heard	विभिन्न मतवाले वचनों को सुनने से विचलित हुई	तऱ्हतऱ्हेची मते ऐकल्यामुळे विचलित झालेली
ते	Te	your	तुम्हारी	तुझी
यदा	Yadaa	when	जब	जेव्हा
स्थास्यति	Sthaasyati	shall stand	ठहर जायगी	राहील
निश्चला	Nishchalaa	still / immovable	न ढलनेवाली	अढळ
समाधौ	Samaadhau	in the Self	परमात्मा में	आत्मस्वरूपामध्ये
अचला	Achalaa	steady	स्थिर	स्थिर
बुद्धिः	BuddhiH	intellect	बुद्धि	बुद्धी
तदा	Tadaa	then	तब (तुम)	तेव्हा (तुला)
योगम्	Yogam	self realisation	योग को	समत्व योग
अवाप्स्यसि	Avaapsyasi	you will attain	प्राप्त हो जाओगे	प्राप्त होईल

अन्वय :-

यदा श्रुतिविप्रतिपन्ना ते बुद्धिः समाधौ निश्चला (भूत्वा) अचला स्थास्यति , तदा योगम् अवाप्स्यसि ।

English translation:-

When your intellect, perplexed by the conflict of opinions, will become poised and firmly fixed in equilibrium, then you will attain Yoga i.e. self - realisation.

हिन्दी अनुवाद :-

विभिन्न , परस्पर - विरोधी मत वाले वचनों को सुनने से विचलित हुई तुम्हारी बुद्धि तथा मनःस्थिति , जब परमात्मा के स्वरूप में निश्चल रूप से स्थिर हो जाएगी ; तब तुम परमात्मा में , योग को प्राप्त हो जाओगे अर्थात् तुम्हारा परमात्मा से नित्य संयोग हो जाएगा ।

मराठी भाषान्तर :-

तऱ्हतऱ्हेची , परस्पर - विरोधी मते ऐकून विचलित झालेली तुझी बुद्धी जेव्हा आत्मस्वरूपामध्ये अढळ आणि स्थिर राहील , तेव्हाच तुला समत्व योग प्राप्त होईल .

विनोबांची गीताई :-

श्रवणें भ्रमली बुद्धि तुझी लाभूनि निश्चय
स्थिरावेल समाधींत तेव्हां भेटेल योग तो ॥ २ - ५३ ॥

अर्जुन उवाच ।

स्थितप्रज्ञस्य का भाषा समाधिस्थस्य केशव ।

स्थितधीः किम् प्रभाषेत किम् आसीत व्रजेत किम् ॥ २ – ५४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अर्जुन	Arjuna	Arjuna	अर्जुन (ने)	अर्जुना (ने)
उवाच	Uvaacha	said	पूछा	विचारले
स्थितप्रज्ञस्य	Sthita-pradnya-sya	of the sage of steady wisdom	स्थिरबुद्धि पुरुष का	स्थिरबुद्धी अशा पुरुषाचे
का	Kaa	what	क्या	काय
भाषा	BhaaShaa	description	लक्षण है ?	लक्षण
समाधिस्थस्य	Samaadhi -sthasya	of the man merged in the super-conscious state	समाधि में स्थित	समाधीत स्थित झालेल्या
केशव	Keshava	O Krishna !	हे केशव !	हे केशवा !
स्थितधीः	Sthita-dheeH	the sage of steady wisdom	स्थिरबुद्धि पुरुष	स्थिरबुद्धी पुरुष
किम्	Kim	what (how)	कैसे	कसा
प्रभाषेत	Prabhaa-Sheta	speaks	बोलता है ?	बोलतो
किम्	Kim	what (how)	कैसे	कसा
आसीत	Aaseeta	sits	बैठता है ?	बसतो
व्रजेत	Vrajeta	walks	चलता है ?	चालतो
किम्	Kim	What (How)	कैसे	कसा

अन्वय :-

अर्जुन उवाच - हे केशव समाधिस्थस्य स्थितप्रज्ञस्य का भाषा ? स्थितधीः किम् प्रभाषेत ? किम् आसीत ? किम् व्रजेत ?

English translation:-

Arjuna asked, "O Krishna! What is the mark of the man steady in wisdom, merged in the super - conscious state ? How does the man firm in wisdom speak, sit and walk ?"

हिन्दी अनुवाद :-

अर्जुनने पूछा , " हे केशव ! समाधि में स्थित परमात्मा को प्राप्त हुए स्थिरबुद्धि पुरुष का क्या लक्षण है ? स्थिरबुद्धि पुरुष कैसे बोलता है ? कैसे बैठता है ? और कैसे चलता है ? "

मराठी भाषान्तर :-

अर्जुनाने विचारले, " हे केशवा ! समाधीत स्थित झालेल्या अशा स्थिरबुद्धी पुरुषाचे लक्षण काय ? स्थिरबुद्धी पुरुष कसा बोलतो, कसा बसतो आणि कसा चालतो ? "

विनोबांची गीताई :-

अर्जुन म्हणाला

स्थिरावला समाधींत स्थित-प्रज्ञ कसा असे

कृष्णा सांग कसा बोले कसा राहे फिरे कसा ॥ २ – ५४ ॥

श्री भगवान् उवाच ।

प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान् ।

आत्मनि एव आत्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञः तदा उच्यते ॥ २ – ५५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान्	Shree Bhagavaan	Lord Shree Krishna	श्री भगवान्	भगवान श्रीकृष्ण
उवाच	Uvaacha	said	बोले	म्हणाले
प्रजहाति	Prajahaati	completely casts off	भलीभाँति त्याग देता है	पूर्णपणे त्याग करतो
यदा	Yadaa	when	जिस काल में यह पुरुष	जेव्हा
कामान्	Kaamaan	desires	कामनाओं को	आसक्तींचा
सर्वान्	Sarvaan	all	सम्पूर्ण	सर्व
पार्थ	Paartha	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
मनोगतान्	Manogataan	of the mind	मन में स्थित	मनातील
आत्मनि	Aatmati	in the Self	आत्मा में	आत्मस्वरूपात
एव	Eva	only	ही	च
आत्मना	Aatmanaa	by the Self	आत्मा से	आत्मानुभूतीने
तुष्टः	TushtaH	satisfied	संतुष्ट रहता है	संतुष्ट राहतो
स्थितप्रज्ञः	Sthita-pradnyaH	person of steady wisdom	स्थिरबुद्धि पुरुष	स्थिरबुद्धी पुरुष
तदा	Tadaa	then	उस काल में वह	तेव्हा
उच्यते	Uchyate	(he) is called	कहा जाता है	म्हटले जाते

अन्वय :-

श्री भगवान् उवाच - हे पार्थ यदा (नरः) मनोगतान् सर्वान् कामान् प्रजहाति, आत्मनि एव आत्मना तुष्टः (भवति) तदा स्थितप्रज्ञः उच्यते ।

English translation:-

Lord Shree Krishna said, "O Arjuna, when a man abandons all the desires of the mind and is satisfied in the Self by the Self; then he is said to be a person of stable wisdom."

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! जिस काल में यह पुरुष, मन में स्थित सम्पूर्ण कामनाओं को भलीभाँति त्याग देता है और आत्मा में, आत्मानंद से ही संतुष्ट रहता है; उस काल में, वह स्थिरबुद्धि पुरुष कहा जाता है ।

मराठी भाषान्तर :-

श्रीकृष्ण म्हणाले, " हे अर्जुना ! जेव्हा हा पुरुष मनातील सर्व आसक्तींचा पूर्णपणे त्याग करतो आणि आत्मानुभूतीनेच आत्मस्वरूपात संतुष्ट राहतो; तेव्हा त्याला स्थितप्रज्ञ म्हटले जाते.

विनोबांची गीताई :-

श्री भगवान् म्हणाले

कामना अंतरांतील सर्व सोडूनि ज़ो स्वयें

आत्म्यांत चि असे तुष्ट तो स्थित-प्रज्ञ बोलिला ॥ २ – ५५ ॥

दुःखेषु अनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः ।

वीतरागभयक्रोधः स्थितधीः मुनिः उच्यते ॥ २ - ५६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दुःखेषु	DuHkheshu	in adversity	दुःखों की प्राप्ति होनेपर	दुःखप्राप्तीत
अन्-उद्विग्नमनाः	Ana-Udvigna-manaaH	of unagitated mind	जिसके मन में उद्वेग नहीं होता	ज्याचे मन उद्विग्न होत नाही
सुखेषु	SukheShu	in pleasure	सुखों की प्राप्ति में	सुखप्राप्तीत
विगतस्पृहः	Vigata-spruhaH	without hankering	जो सर्वथा निःस्पृह है	ज्याची भोगतृष्णा नष्ट झालेली आहे
वीतरागभयक्रोधः	Veetaraga-bhaya-krodhaH	free from attachment, fear and anger	जिसके प्रेम, भय और क्रोध नष्ट हो गये हैं	ज्याचे प्रेम, भय व क्रोध नष्ट झाले आहेत
स्थितधीः	Sthita-dheeH	person of steady wisdom	(वह) स्थिरबुद्धि पुरुष	(तो) स्थिरबुद्धी पुरुष
मुनिः	muniH	sage	मुनि	मुनी
उच्यते	Uchyate	(he) is called	कहा जाता है	म्हटला जातो

अन्वय :-

दुःखेषु अनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः (तथा) वीतरागभयक्रोधः मुनिः स्थितधीः उच्यते ।

English translation:-

He whose mind is not perturbed by adversity, who does not crave for happiness, who is free from love, fear and anger, is called the Muni of steady wisdom.

हिन्दी अनुवाद :-

दुःखों की प्राप्ति होनेपर जिसके मन में उद्वेग नहीं होता और सुखों की प्राप्ति में जो सर्वथा निःस्पृह है; तथा जिसके प्रेम, भय और क्रोध नष्ट हो गये हैं ऐसा मुनि, स्थिरबुद्धि कहा जाता है।

मराठी भाषान्तर :-

दुःखप्राप्तीत ज्याचे मन उद्विग्न होत नाही, सुखप्राप्तीत ज्याची भोगतृष्णा नष्ट झालेली आहे; तसेच जो प्रेम , भय व क्रोध यापासून अलिप्त आहे; असा तो मुनी स्थिरबुद्धी म्हटला जातो.

विनोबांची गीताई :-

नसे दुःखांत उद्वेग सुखाची लालसा नसे

नसे तृष्णा भय क्रोध तो स्थित-प्रज्ञ संयमी ॥ २ - ५६ ॥

यः सर्वत्र अनभिस्नेहः तत् तत् प्राप्य शुभाशुभम् ।

न अभिनन्दन्ति न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ २ - ५७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यः	YaH	he who	जो पुरुष	जो (पुरुष)
सर्वत्र	Sarvatra	everywhere	सर्वत्र	सर्व बाबतीत
अनभिस्नेहः	Anbhi-SnehaH	without attachment	स्नेहरहित हुआ	स्नेहशून्य (असून)
तत्	Tat	that	उस	त्या
तत्	Tat	that	उस	त्या
प्राप्य	Praapya	having obtained	प्राप्त होकर	प्राप्त झाल्यावर
शुभाशुभम्	Shubha-ashubham	good and evil	शुभ या अशुभ (वस्तुको)	शुभ किंवा अशुभ (गोष्टी)
न	Na	not	न	नाही
अभिनन्दन्ति	Abhi-Nandanti	rejoices	प्रसन्न होता है (और)	प्रसन्न होतो
न	Na	not	न	नाही
द्वेष्टि	DveShti	hates	द्वेष करता है	द्वेष करतो
तस्य	Tasya	his	उसकी	त्याची
प्रज्ञा	Pradnyaa	wisdom	बुद्धि	बुद्धी
प्रतिष्ठिता	Prati-Sthitaa	is fixed	स्थिर है	स्थिर असते

अन्वय :-

यः सर्वत्र अनभिस्नेहः तत् तत् शुभाशुभम् प्राप्य न अभिनन्दन्ति (तथा) न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ।

English translation:-

He who is everywhere unattached, who having met those good or evil neither rejoices nor hates, his wisdom is established.

हिन्दी अनुवाद :-

जो पुरुष सर्वत्र स्नेहरहित हुआ, उस शुभ या अशुभ वस्तु को प्राप्त होकर न प्रसन्न होता है और न द्वेष करता है; उसकी बुद्धि स्थिर है।

मराठी भाषान्तर :-

जो पुरुष सर्व बाबतीत स्नेहशून्य असून (त्या त्या) शुभ किंवा अशुभ गोष्टी घडल्या असता प्रसन्नही होत नाही किंवा त्यांचा द्वेषही करीत नाही, त्याची बुद्धी स्थिर असते.

विनोबांची गीताई :-

सर्वत्र ज़ो अनासक्त बरें वाईट लाभतां
न उल्लासे न संतापे त्याची प्रज्ञा स्थिरावली ॥ २ - ५७ ॥

यदा संहरते च अयम् कूर्मः अङ्गानि इव सर्वशः ।

इन्द्रियाणि इन्द्रियार्थेभ्यः तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ २ - ५८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यदा	Yadaa	when	जब	जेव्हा
संहरते	Samharate	draws in	सब प्रकार से हटा लेता है (तब)	ओढून घेतो
च	Cha	and	और	आणि
अयम्	Ayam	this (Yogi)	यह पुरुष	हा पुरुष
कूर्मः	KoormaH	tortoise	कछुआ	कासव
अङ्गानि	Angaani	limbs	अंगों को	अवयवांना
इव	Iva	like	(जैसे समेट लेता है) वैसे ही	ज्याप्रमाणे
सर्वशः	SarvashaH	on all sides	सब ओर से (अपने)	सर्व बाजूंनी (आपल्या)
इन्द्रियाणि	IndriyaaNi	senses	इंद्रियों को	इंद्रियांना
इन्द्रियार्थेभ्यः	Indriya - ArthebhyaH	from sense objects	इंद्रियों के विषयों से	इंद्रियांच्या विषयांपासून
तस्य	Tasya	his	उसकी	त्याची
प्रज्ञा	Pradnyaa	wisdom	बुद्धि	बुद्धी
प्रतिष्ठिता	Prati-Shthitaa	is established	स्थिर है ऐसा समझना चाहिये	स्थिर असते

अन्वय :-

कूर्मः अङ्गानि इव यदा अयम् इन्द्रियार्थेभ्यः इन्द्रियाणि सर्वशः संहरते (तदा) तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ।

English translation:-

When like a tortoise drawing in its limbs on all sides, he withdraws his senses from sense objects, then his wisdom is said to be established.

हिन्दी अनुवाद :-

जैसे कछुआ, विपत्ति के समय अपनी रक्षा के लिए, सब ओर से अपने अंगों को जैसे समेट लेता है, वैसे ही जब यह पुरुष, इंद्रियों के विषयों से इंद्रियों को सब प्रकार से हटा लेता है; तब उसकी बुद्धि, स्थिर बुद्धि समझनी चाहिये।

मराठी भाषान्तर :-

कासव सर्व बाजूंनी आपले अवयव जसे आंत ओढून घेते, त्याचप्रमाणे जेव्हा हा पुरुष इंद्रियांच्या विषयांपासून इंद्रियांना सर्व प्रकारे आवरून घेतो; तेव्हा त्याची बुद्धी स्थिर असते असे समजावे.

विनोबांची गीताई :-

घेई ओढुनि संपूर्ण विषयांतूनि इंद्रियें
ज़सा कासव तो अंगें तेव्हां प्रज्ञा स्थिरावली ॥ २-५८ ॥

विषयाः विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः ।

रसवर्जम् रसः अपि अस्य परम् दृष्ट्वा निवर्तते ॥ २ - ५९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
विषयाः	VishayaaH	the sense objects	विषय तो	विषय
विनिवर्तन्ते	Vinivartante	turn away	निवृत्त हो जाते हैं (परंतु उन में रहनेवाली)	दूर होतात
निराहारस्य	Nir-aahaarasya	of abstinent	(इंद्रियों के द्वारा विषयों को) ग्रहण न करनेवाले	(इंद्रियांनी विषयांचे) सेवन न करणाऱ्या
देहिनः	DehinaH	of the man	पुरुष के (भी केवल)	पुरुषाचे
रसवर्जम्	Rasavarjam	without relish	आसक्ति निवृत्त नहीं होती	आसक्ती नाहीशी होत नाही
रसः	RasaH	longing (taste)	आसक्ति	आसक्ती
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
अस्य	Asya	his	इस (स्थितप्रज्ञ पुरुष की तो)	या (स्थितप्रज्ञ) पुरुषाची
परम्	Param	the supreme	परमात्मा का	परमात्म्याच्या
दृष्ट्वा	DruShtva	having seen	साक्षात्कार कर	साक्षात्काराने
निवर्तते	Nivartate	turns away	निवृत्त हो जाती है	नाहीशी होते

अन्वय :-

निराहारस्य देहिनः विषयाः रसवर्जम् विनिवर्तन्ते । अस्य रसः अपि परम् दृष्ट्वा निवर्तते ।

English translation:-

The sense objects turn away from an abstinent man but not the relish. The longing also ceases when he (steady minded) intuites the Supreme.

हिन्दी अनुवाद :-

इंद्रियों के द्वारा विषयों को ग्रहण न करनेवाले पुरुष के भी, केवल विषय तो निवृत्त हो जाते हैं; परंतु उनमें रहनेवाली आसक्ति निवृत्त नहीं होती । इस स्थितप्रज्ञ पुरुष की तो, आसक्ति भी परमात्मा का साक्षात्कार होकर, निवृत्त हो जाती है ।

मराठी भाषान्तर :-

इंद्रियांनी विषयांचे सेवन न करणाऱ्या पुरुषाचेही केवळ विषयच दूर होतात, परंतु त्यांच्याविषयीची आसक्ती नाहीशी होत नाही. पण स्थितप्रज्ञ पुरुषाची आसक्ती तर परमात्म्याच्या साक्षात्काराने नाहीशी होते.

विनोबांची गीताई :-

निराहार बळें बाह्य सोडी विषय साधक
आंतील न सुटे गोडी ती ज़ळे आत्म दर्शनें ॥ २ – ५९ ॥

यततः हि अपि कौन्तेय पुरुषस्य विपश्चितः ।

इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभम् मनः ॥ २ - ६० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यततः	YatataH	of the striving	यत्न करते हुए	प्रयत्न करणाऱ्या
हि	Hi	indeed	(आसक्ति का नाश न होने के) कारण	खरोखर (आसक्तीचा नाश न झाल्यामुळे)
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
कौन्तेय	Kaunteya	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे कुन्तीपुत्र अर्जुना !
पुरुषस्य	PuruShasya	of man	पुरुष के	पुरुषाच्या
विपश्चितः	VipashchitaH	of wise	बुद्धिमान्	ज्ञानी
इन्द्रियाणि	IndriyaaNi	senses	इंद्रियाँ	इंद्रिये
प्रमाथीनि	Pramaatheeni	turbulent	क्षोभ उत्पन्न करने वाली	क्षोभ उत्पन्न करणारी
हरन्ति	Haranti	carry away	हर लेती है	हरण करतात
प्रसभम्	Prasabham	forcibly	बलात्	जबरदस्तीने
मनः	ManaH	the mind	मन को	मनाला

अन्वय :-

हे कौन्तेय ! प्रमाथीनि इन्द्रियाणि यततः विपश्चितः अपि पुरुषस्य मनः प्रसभम् हरन्ति हि ।

English translation:-

O Arjuna, the turbulent senses of even a wise man while striving, indeed forcibly carry away his mind.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! आसक्ति का नाश न होने के कारण, ये क्षोभ उत्पन्न करने वाली इंद्रियाँ, आत्मसंयम का प्रयत्न करते हुए, बुद्धिमान् पुरुष के मन को भी, बलपूर्वक हर लेती हैं।

मराठी भाषान्तर :-

हे कुन्तीपुत्र अर्जुना ! आसक्तीचा नाश न झाल्यामुळे, ही क्षोभ उत्पन्न करणारी इंद्रिये, प्रयत्न करणाऱ्या ज्ञानी पुरुषाच्या मनालाही जबरदस्तीने आपल्याकडे ओढून घेतात.

विनोबांची गीताई :-

करीत असतां यत्न ज्ञात्याच्या हि मनास हीं
नेती खेंचूनि वेगानें इंद्रियें दांडगीं चि कीं ॥ २ - ६० ॥

तानि सर्वाणि संयम्य युक्त आसीत मत्परः ।

वशे हि यस्य इन्द्रियाणि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ २ - ६१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तानि	Taani	them	उन	त्या
सर्वाणि	SarvaaNi	all	सम्पूर्ण (इंद्रियों को)	सर्व (इंद्रियांना)
संयम्य	Saiyamya	restrained	वश में करके	ताब्यात ठेवून
युक्त	Yukta	joined	समाहित चित्त हुआ	तन्मय होऊन
आसीत	Aaseeta	should sit	ध्यान में बैठे	बसावे
मत्परः	MatparaH	intent on me	मेरे परायण होकर	माझ्या ठिकाणीच श्रेष्ठत्व आहे असे जाणून
वशे	Vashe	under control	वश में होती हैं	ताब्यात असतात
हि	Hi	indeed	क्योंकि	कारण
यस्य	Yasya	whose	जिस पुरुष की	ज्याची
इन्द्रियाणि	IndriyaaNi	senses	इन्द्रियाँ	इंद्रिये
तस्य	Tasya	his	उसीकी	त्याची
प्रज्ञा	Pradnyaa	wisdom	बुद्धि	बुद्धी
प्रतिष्ठिता	Prati-Shthitaa	is established	स्थिर हो जाती है	स्थिर असते

अन्वय :-

तानि सर्वाणि संयम्य युक्तः मत्परः आसीत। हि यस्य वशे इन्द्रियाणि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ।

English translation:-

The Yogi, having controlled them all, sits focussed on Me as the supreme goal. His wisdom is established whose senses are under control.

हिन्दी अनुवाद :-

उन सम्पूर्ण इंद्रियों को वश में करके, समाहित चित्त हुआ मेरे परायण होकर ध्यान में बैठे; क्योंकि जिस पुरुष की इन्द्रियाँ वश में होती हैं उसीकी बुद्धि स्थिर हो जाती है।

मराठी भाषान्तर :-

(म्हणूनच) साधकाने त्या सर्व इंद्रियांना ताब्यात ठेवून माझ्या ठिकाणीच श्रेष्ठत्व आहे असे जाणून तन्मय व्हावे. कारण इंद्रिये ज्या पुरुषाच्या ताब्यात असतात त्याची बुद्धी स्थिर असते.

विनोबांची गीताई :-

त्यांस रोधूनि युक्तीनें रहावें मत्परायण
इंद्रियें जिंकिलीं ज्यानें त्याची प्रज्ञा स्थिरावली ॥ २-६१ ॥

ध्यायतः विषयान् पुंसः सङ्गः तेषु उपजायते ।

सङ्गात् सञ्जायते कामः कामात् क्रोधः अभिजायते ॥ २ - ६२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
ध्यायतः	DhyaayataH	of the musing	चिंतन करनेवाले	चिंतन करणाऱ्या
विषयान्	Vishayaan	objects of senses	इंद्रियविषयों का	इंद्रियविषयांचे
पुंसः	PunsaH	of man	पुरुष की	पुरुषाची
सङ्गः	SangaH	attachment	आसक्ति	आसक्ती
तेषु	Teshu	in them	उन विषयों में	त्या विषयांत
उपजायते	Upajaayate	arises	हो जाती है	उत्पन्न होते
सङ्गात्	Sangaat	from attachment	आसक्ति से	आसक्तीमुळे
सञ्जायते	Sanjaayate	is born	उत्पन्न हो जाती है	उत्पन्न होते
कामः	KaamaH	desire	(उन इंद्रियविषयों की) कामना	(त्या इंद्रियविषयांची) अनिवार इच्छा
कामात्	Kaamaat	from desire	कामना में विघ्न पडनेसे	अनिवार इच्छा पूर्ण न झाल्याने
क्रोधः	KrodhaH	anger	क्रोध	राग
अभिजायते	Abhijayaate	arises	उत्पन्न होता है	निर्माण होतो

अन्वय :-

विषयान् ध्यायतः पुंसः तेषु सङ्गः उपजायते । सङ्गात् कामः सञ्जायते । कामात् क्रोधः अभिजायते ।

English translation:-

A man musing on sense objects develops attachment for them, from attachment arises desire; from desire anger sprouts forth.

हिन्दी अनुवाद :-

विषयों का चिंतन करनेवाले पुरुष की , उन इंद्रियविषयों में आसक्ति हो जाती है , आसक्ति से उन इंद्रियविषयों की कामना उत्पन्न हो जाती है और कामना में विघ्न पडने से , क्रोध उत्पन्न होता है ।

मराठी भाषान्तर :-

विषयांचे चिंतन करणाऱ्या पुरुषाची त्या इंद्रियविषयांत आसक्ती उत्पन्न होते , आसक्तीमुळे त्या इंद्रियविषयांची अनिवार इच्छा उत्पन्न होते . अनिवार इच्छा पूर्ण न झाल्याने राग निर्माण होतो .

विनोबांची गीताई :-

विषयांचे करी ध्यान त्यास तो संग लागला

संगांतूनि फुटे काम क्रोध कामांत ठेविला ॥ २ – ६२ ॥

क्रोधात् भवति संमोहः संमोहात् स्मृतिविभ्रमः ।

स्मृतिभ्रंशात् बुद्धिनाशः बुद्धिनाशात् प्रणश्यति ॥ २ – ६३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
क्रोधात्	Krodhaat	from anger	क्रोध से	क्रोधामुळे
भवति	Bhavati	comes	उत्पन्न हो जाता है	उत्पन्न होते
संमोहः	SammohaH	delusion	अत्यन्त मूढ़भाव	विवेकहीनता
संमोहात्	Sammohat	from delusion	मूढ़भाव से	विवेकहीनतेमुळे
स्मृति-विभ्रमः	Smruti-VibhramaH	confusion of memory	स्मृति में भ्रम हो जाता है	स्मृतीमध्ये भ्रम निर्माण होतो
स्मृति-भ्रंशात्	Smruti-Bhramshat	from the confusion of memory	स्मृति में भ्रम हो जानेसे	स्मृतीमध्ये भ्रम झाल्यामुळे
बुद्धि-नाशः	Buddhi-NaashaH	loss of intellect	बुद्धि अर्थात् ज्ञान शक्ति का नाश हो जाता है	ज्ञानशक्तीचा नाश होतो
बुद्धि-नाशात्	Buddhi-Naashaat	from loss of intellect	बुद्धि अर्थात् ज्ञान शक्ति का नाश हो जानेसे	ज्ञानशक्तीचा नाश झाल्यामुळे
प्रणश्यति	Pra-Nashyati	perishes	(यह पुरुष अपनी संतुलित स्थिति से) गिर जाता है	(अशा माणसाचे) अधःपतन होते

अन्वय :-

क्रोधात् संमोहः भवति । संमोहात् स्मृतिविभ्रमः स्मृतिभ्रंशात् बुद्धिनाशः बुद्धिनाशात् प्रणश्यति ।

English translation:-

From anger arises delusion, from delusion confusion of memory, from confusion of memory loss of intellect and due to loss of intellect a man perishes.

हिन्दी अनुवाद :-

क्रोध से अत्यन्त मूढ़भाव उत्पन्न हो जाता है, मूढ़भाव से स्मृति में भ्रम हो जाता है, स्मृति में भ्रम हो जानेसे बुद्धि अर्थात् ज्ञान शक्ति का नाश हो जाता है; और बुद्धि अर्थात् ज्ञान शक्ति का नाश हो जानेसे, यह पुरुष अपनी संतुलित स्थिति से गिर जाता है।

मराठी भाषान्तर :-

क्रोधामुळे विवेकहीनता उत्पन्न होते. विवेकहीनतेमुळे स्मृतीमध्ये भ्रम निर्माण होतो. स्मृतीमध्ये भ्रम झाल्यामुळे ज्ञानशक्तीचा नाश होतो आणि ज्ञानशक्तीचा नाश झाल्यामुळे माणसाचे अधःपतन होते.

विनोबांची गीताई :-

क्रोधांतूनि ज़डे मोह मोहानें स्मृति लोपली

स्मृति - लोपें बुद्धि - नाश म्हणजे आत्म - नाश चि ॥ २ - ६३ ॥

रागद्वेषवियुक्तैः तु विषयान् इन्द्रियैः चरन्।

आत्मवश्यैः विधेयात्मा प्रसादम् अधिगच्छति ॥ २ - ६४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
राग-द्वेष-वियुक्तैः	Raga-DveSha-ViyuktaiH	free from attraction and repulsion	राग-द्वेष से रहित	प्रेमद्वेषरहित
तु	Tu	but	परंतु	परंतु
विषयान्	ViShayaan	objects	विषयों में	विषयांमध्ये
इन्द्रियैः	IndriyaiH	with senses	इन्द्रियोंद्वारा	इंद्रियांनी
चरन्	Charan	moving	विचरण करता हुआ	वावर करतो
आत्मवश्यैः	Aatma-vashyaiH	self-restrained	अपने वश में की हुई	आत्मस्वाधिन असा
विधेयात्मा	Vidheyaatmaa	the self-controlled	अपने अधीन किये हुए अन्तःकरण वाला साधक	अन्तःकरणावर ताबा असलेला साधक
प्रसादम्	Prasaadam	to peace	शान्ति को	मनाची प्रसन्नता व शान्तीला
अधिगच्छति	Adhigachchhati	attains	प्राप्त होता है	प्राप्त करून घेतो

अन्वय :-

विधेयात्मा तु रागद्वेषवियुक्तैः आत्मवश्यैः इन्द्रियैः विषयान् चरन् प्रसादम् अधिगच्छति ।

English translation:-

But the self - controlled man, moving among objects with senses under control and free from attraction and aversion, gains in tranquility.

हिन्दी अनुवाद :-

परंतु अपने अधीन किये हुए अन्तःकरणवाला साधक, अपने वश में की हुई, राग - द्वेष से रहित इन्द्रियोंद्वारा विषयों में विचरण करता हुआ, अन्तःकरण की शान्ति को प्राप्त होता है ।

मराठी भाषान्तर :-

परंतु अन्तःकरणावर ताबा असलेला साधक, आपल्या ताब्यात असलेल्या प्रेमद्वेषरहित इंद्रियांनी विषयांचा उपभोग घेत असूनही मनाची प्रसन्नता प्राप्त करून घेतो.

विनोबांची गीताई :-

राग - द्वेष परी ज़ातां आलीं हातांत इंद्रियें
स्वामित्वें विषयीं वर्तें त्यास लाभे प्रसन्नता ॥ २ - ६४ ॥

प्रसादे सर्वदुःखानाम् हानिः अस्य उपजायते ।

प्रसन्नचेतसः हि आशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते ॥ २ - ६५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
प्रसादे	Prasaade	in peace	अन्तःकरण की शान्ति होनेपर	मनाची प्रसन्नता प्राप्त झाल्यामुळे
सर्व-दुःखानाम्	Sarva-DuHkhaanaam	of all pains	सम्पूर्ण दुःखों का	सर्व दुःखांचा
हानिः	HaaniH	destruction	अभाव	नाश
अस्य	Asya	his	इस के	ह्याच्या
उप-जायते	Up-Jaayate	arises	हो जाता है	होतो
प्रसन्न-चेतसः	Prasanna-ChetasaH	of the tranquil-minded	शान्त चित्तवाले कर्मयोगी की	प्रसन्नमनाच्या साधकाची
हि	Hi	because	(सब ओरसे हटकर एक परमात्मा में) ही	च
आशु	Aashu	soon	शीघ्र	लवकर
बुद्धिः	BuddhiH	intellect	बुद्धि	बुद्धी
परि-अव-तिष्ठते	Pari-Ava-tiShtate	becomes steady	भलीभाँति स्थिर हो जाती है	उत्तम प्रकारे स्थिर होते

अन्वय :-

प्रसादे अस्य सर्वदुःखानाम् हानिः उपजायते। प्रसन्नचेतसः हि बुद्धिः आशु पर्यवतिष्ठते ।

English translation:-

In tranquility, all his sorrows are destroyed. The intellect of the tranquil-minded, soon becomes steady.

हिन्दी अनुवाद :-

अन्तःकरण की शान्ति होनेपर, इसके सम्पूर्ण दुःखोंका अभाव हो जाता है और उस शान्त चित्तवाले कर्मयोगी की बुद्धि, शीघ्र सब ओर से हटकर, एक परमात्मा में ही, भलीभाँति स्थिर हो जाती है।

मराठी भाषान्तर :-

मनाची प्रसन्नता प्राप्त झाल्यामुळे ह्याच्या सर्व दुःखांचा नाश होतो. प्रसन्नमनाच्या साधकाची बुद्धी लवकरच (सर्व गोष्टींपासून निवृत्त होऊन) उत्तम प्रकारे स्थिर होते.

विनोबांची गीताई :-

प्रसन्नतेपुढें सर्व दुःखें जाती झडूनियां
प्रसन्नतेनें बुद्धीची स्थिरता शीघ्र होतसे ॥ २ - ६५ ॥

न अस्ति बुद्धिः अयुक्तस्य न च अयुक्तस्य भावना ।

न च अभावयतः शान्तिः अशान्तस्य कुतः सुखम् ॥ २ - ६६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाही
अस्ति	Asti	is	होती	असते
बुद्धिः	BuddhiH	knowledge	निश्चयात्मिका बुद्धि	बुद्धी
अ-युक्तस्य	Ayuktasya	of the unsteady	न जीते हुए मन और इन्द्रियोंवाले पुरुष में	समत्वरूप योगाचा अभ्यास न करणाऱ्या पुरुषाची
न	Na	not	नहीं होती	नाही
च	Cha	and	और उस	तसेच
अ-युक्तस्य	Ayuktasya	of the unsteady	अयुक्त मनुष्य के अन्तःकरण में	समत्वरूप योगाचा अभ्यास न करणाऱ्या पुरुषाची
भावना	Bhaavanaa	meditation	ध्यान भावना भी	श्रद्धाभक्तिभाव
न	Na	not	नहीं मिलती (और)	नाही
च	Cha	and	तथा	तसेच
अ-भावयतः	A-bhaavataH	of the unmeditative	ध्यान भावना हीन मनुष्य को	श्रद्धाभक्तिभावहीन माणसाला
शान्तिः	ShaantiH	peace	शान्ति	शान्ती
अ-शान्तस्य	A-shaantasya	of the peaceless	शान्ति रहित मनुष्य को	शान्तिरहित माणसाला
कुतः	KutaH	whence	कैसे मिल सकता है ?	कोठून मिळणार ?
सुखम्	Sukham	happiness	सुख	सुख

अन्वय :- अयुक्तस्य बुद्धिः न अस्ति। अयुक्तस्य च भावना न (अस्ति)। अभावयतः च शान्तिः न (अस्ति)। अशान्तस्य सुखम् कुतः ?

English translation:-

There is neither knowledge nor meditation in the fickle-minded and to the unmeditative person there is no peace. Then how can the peace-less person enjoy happiness?

हिन्दी अनुवाद :-

न जीते हुए मन और इन्द्रियोंवाले पुरुष में, निश्चयात्मिका बुद्धि नहीं होती और उस अयुक्त मनुष्य के अन्तःकरण में, ध्यानभावना भी नहीं होती; तथा ध्यानभावना - हीन मनुष्य को, शान्ति नहीं मिलती और शान्ति - रहित मनुष्य को सुख कैसे मिल सकता है ?

मराठी भाषान्तर :-

समत्वरूप योगाचा अभ्यास न करणाऱ्या पुरुषाची बुद्धी स्थिर होत नाही आणि त्याच्या अन्तःकरणात श्रद्धा – भक्ती - भावही नसतात. तसेच श्रद्धा – भक्ती - भावहीन माणसाला शान्ती मिळत नाही. मग शान्तचित्त नसलेल्या माणसाला सुख कोठून मिळणार ?

विनोबांची गीताई :-

अयुक्तास नसे बुद्धि त्यामुळें भावना नसे
म्हणूनि न मिळे शांति शांतीविण कसें सुख ॥ २ – ६६ ॥

इन्द्रियाणाम् हि चरताम् यत् मनः अनुविधीयते ।

तत् अस्य हरति प्रज्ञाम् वायुः नावम् इव अम्भसि ॥ २ – ६७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
इन्द्रियाणाम्	Indri-yaaNaam	of senses	इन्द्रियोंमें से	इंद्रियांपैकी
हि	Hi	for	क्योंकि	कारण
चरताम्	Charataam	wandering	विषयों में विचरती हुई	विषयांमध्ये गुंतलेल्या
यत्	Yat	which	जिस (इन्द्रिय के)	ज्या (इंद्रियाच्या)
मनः	ManaH	mind	मन	मन
अनु-विधीयते	Anu-Vidheeyate	follows	साथ रहता है	बरोबर राहते
तत्	Tat	that	वह (एक ही इन्द्रिय याने मन)	ते (मन)
अस्य	Asya	his	इस (अयुक्त पुरुष की)	या (अयुक्त पुरुषाची)
हरति	Harati	carries away	हर लेती है (वैसे ही)	हिरावून घेते
प्रज्ञाम्	Pradnyaam	intellect	सन्तुलित बुद्धि (को हर लेता है)	बुद्धी
वायुः	VaayuH	wind	वायु	वारा
नावम्	Naavam	boat	नाव को	नावेला
इव	Iva	like	जैसे	ज्याप्रमाणे
अम्भसि	Ambhasi	in water	जल में (चलनेवाली)	पाण्यात (तरंगणाऱ्या)

अन्वय :-

चरताम् इन्द्रियाणाम् हि यत् मनः अनुविधीयते तत् अस्य प्रज्ञाम् हरति वायुः अम्भसि नावम् इव ।

English translation:-

For the mind, which follows the roving senses, carries away his intellect as the wind carries away a boat on water.

हिन्दी अनुवाद :-

क्योंकि , जैसे तूफ़ान , जल में तैरती नाव को , अपने पूर्व निर्धारित लक्ष्य से दूर ढकेल देता है ; वैसे ही इंद्रियों के पीछे दौडनेवाला मन , इन्द्रियसुखप्रिय मनुष्य की बुद्धि को गलत राह की ओर ले जाता है ।

मराठी भाषान्तर :-

विषयांमध्ये भटकणाऱ्या इंद्रियांच्या मागे जे मन धावू लागते ते मन त्या माणसाची बुद्धी , पाण्यात चालणाऱ्या नावेला वारा ज्याप्रमाणे इकडे तिकडे वाहून नेतो , त्याप्रमाणे इंद्रियांमागे ओढून नेते .

विनोबांची गीताई :-

इंद्रियें वर्ततां स्वैर त्यांमागें मन ज़ाय ज़ें
त्यानें प्रज्ञा ज़शी नौका वाऱ्यानें खेंचली जळीं ॥ २ - ६७ ॥

तस्मात् यस्य महाबाहो निगृहीतानि सर्वशः ।

इन्द्रियाणि इन्द्रियार्थेभ्यः तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ २ - ६८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इसलिये	म्हणून
यस्य	Yasya	whose	जिस की (पुरुष की)	ज्याची (पुरुषाची)
महाबाहो	Mahaabaaho	O mighty armed Arjuna	हे पराक्रमी अर्जुन !	हे पराक्रमी अर्जुना !
निगृहीतानि	Nigru-heetaani	restrained	निग्रह की हुई है	निग्रहाने काबूत ठेवलेली असतात
सर्वशः	SarvashaH	completely	सब प्रकार से	सर्व प्रकारे
इन्द्रियाणि	IndriyaaNi	senses	इन्द्रियाँ	इंद्रिये
इन्द्रिय- अर्थेभ्यः	Indriya-ArthebhyaH	from sense objects	इन्द्रियों के विषयों से	इंद्रियांच्या विषयांपासून
तस्य	Tasya	his	उसीकी	त्याची
प्रज्ञा	Pradnyaa	wisdom	बुद्धि	बुद्धी
प्रतिष्ठिता	Pratishthitaa	is established	स्थिर है	स्थिर असते

अन्वय :-

तस्मात् हे महाबाहो ! यस्य इन्द्रियाणि इन्द्रियार्थेभ्यः सर्वशः निगृहीतानि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ।

English translation:-

Therefore, O mighty-armed Arjuna, his wisdom is well poised, whose senses are completely restrained from sense objects.

हिन्दी अनुवाद :-

इसलिये हे पराक्रमी अर्जुन ! जिस पुरुष की इन्द्रियाँ, इन्द्रियों के विषयों से सब प्रकार से संयमित की हुई है, उसीकी बुद्धि स्थिर है ।

मराठी भाषान्तर :-

म्हणून हे पराक्रमी अर्जुना ! ज्या पुरुषाची इंद्रिये, इंद्रियांच्या विषयांपासून सर्व प्रकारे निग्रहाने काबूत ठेवलेली असतात, त्याची बुद्धी स्थिर असते.

विनोबांची गीताई :-

म्हणूनि इंद्रियें ज्यानें विषयांतूनि सर्वथा

ओढूनि घेतलीं आंत त्याची प्रज्ञा स्थिरावली ॥ २ - ६८ ॥

या निशा सर्वभूतानाम् तस्याम् जागर्ति संयमी ।

यस्याम् जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतः मुनेः ॥ २ - ६९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
या	Yaa	which	जो	जी
निशा	Nishaa	night	रात्रि (के समान है)	रात्र
सर्वभूतानां	Sarva-bhootaa-naam	of all beings	सम्पूर्ण प्राणियों के लिये	सर्व प्राणिमात्रांसाठी
तस्याम्	Tasyaam	in that	उस (नित्य ज्ञानस्वरुप परमानन्द की प्राप्ति में)	त्या ठिकाणी (नित्य ज्ञानस्वरुप परमानन्द प्राप्तीच्या)
जागर्ति	Jaagarti	wakes	जागता है (और)	जागतो
संयमी	Saiyamee	the self-controlled	स्थितप्रज्ञ योगी	स्थितप्रज्ञ योगी
यस्याम्	Yasyaam	in which	जिस (नाशवान् सांसारिक सुख की प्राप्ति में)	ज्या बाबतीत (नाशवंत सांसारिक सुखाच्या)
जाग्रति	Jaagrati	wake	जागते हैं	जागे असतात
भूतानि	Bhootaani	all beings	सब प्राणिमात्र	सर्व प्राणिमात्र
सा	Saa	that	वह	ती
निशा	Nishaa	night	रात्रि (के समान है)	रात्र
पश्यतः	PashyataH	of seeing	(परमात्मा के तत्व को) जाननेवाले	(परमात्म - तत्त्व) जाणणाऱ्या
मुनेः	MuneH	of Muni	मुनि के लिये	मुनीला / मुनीसाठी

अन्वय :-

या सर्वभूतानाम् निशा तस्याम् संयमी जागर्ति । यस्याम् भूतानि जाग्रति सा पश्यतः मुनेः निशा ।

English translation:-

That which is night to all beings, therein the self - controlled man keeps awake; that in which all beings are awake, is night to the Aatman-cognising sage.

हिन्दी अनुवाद :-

सम्पूर्ण प्राणियों के लिये जो रात्रि के समान है, उस नित्य ज्ञानस्वरुप परमानन्द की प्राप्ति में, स्थितप्रज्ञ योगी जागता है ; और जिस नाशवान् सांसारिक सुखकी प्राप्ति में, सब प्राणिमात्र जागते हैं; परमात्मा के तत्व को जाननेवाले मुनि के लिये, वह रात्रि के समान है ।

मराठी भाषान्तर :-

सर्व प्राणिमात्रांसाठी जी रात्र असते त्यावेळी नित्य ज्ञानरुप परमानन्द प्राप्तीच्या शोधात स्थितप्रज्ञ योगी जागा असतो आणि ज्या नाशवंत सांसारिक सुखाच्या बाबतीत सर्व प्राणिमात्र जागे असतात त्यावेळी परमात्मतत्त्व जाणणाऱ्या मुनीसाठी ती रात्रच असते, म्हणजेच मुनीला त्यामध्ये रस नसतो.

विनोबांची गीताई :-

सर्व भूतांस जी रात्र जागतो संयमी तिथें
सर्व भूतें जिथें जागी ज्ञानी योग्यास रात्र ती ॥२ – ६९ ॥

आपूर्यमाणम् अचल - प्रतिष्ठम् समुद्रम् आपः प्रविशन्ति यद्वत् ।

तद्वत् कामाः यम् प्रविशन्ति सर्वे सः शान्तिम् आप्नोति न कामकामी ॥ २ - ७० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आपूर्यमाणम्	Aapurya-maaNam	filled from all sides	सब ओरसे परिपूर्ण	सर्व बाजूंनी परिपूर्ण
अचल	Achala	undisturbed	अचल	स्थिर
प्रतिष्ठम्	Pratishtham	remains	प्रतिष्ठावाले	असतो
समुद्रम्	Samudram	ocean	समुद्र में	समुद्रात
आपः	AapaH	Waters (from many rivers)	(अनेक नदियों का) जल	(अनेक नद्यांचे) पाणी
प्रविशन्ति	Pravishanti	enter	समा जाते हैं	प्रवेश करते
यद्- वत्	Yad-vat	as	जैसे नाना नदियों के	ज्याप्रमाणे
तद्-वत्	Tad-vat	so	वैसे ही	त्याप्रमाणे
कामाः	KaamaaH	desires	(सर्व भोगों की) अभिलाषाएँ	(सर्व भोगांच्या) इच्छा
यम्	Yam	to whom	जिस (स्थितप्रज्ञ पुरुष में)	त्या (स्थितप्रज्ञ पुरुषामध्ये)
प्रविशन्ति	Pravishanti	enter	समा जाते हैं	सामावून जातात
सर्वे	Sarve	all	सब	सर्व
सः	SaH	he	वही (पुरुष)	तो (स्थितप्रज्ञ पुरुष)
शान्तिम्	Shaantim	peace	परम शान्ति को	परमशान्तीला
आप्नोति	Aapnoti	attains	प्राप्त होता है	प्राप्त करून घेतो
न	Na	not	नहीं	नाही
कामकामी	Kaama-kaamee	desirer of objects	भोगों को चाहनेवाला	भोगांची इच्छा करणारा

अन्वय :-

आपूर्यमाणम् अचल - प्रतिष्ठम् समुद्रम् यद्वत् आपः प्रविशन्ति तद्वत् यम् सर्वे कामाः प्रविशन्ति सः शान्तिम् आप्नोति कामकामी न (आप्नोति) ।

English translation:-

As the waters enter the ocean which, filled from all sides remains undisturbed; likewise he, in whom all objects of senses enter, attains peace, not the desirer of objects.

हिन्दी अनुवाद :-

जैसे भिन्नभिन्न नदियों के जल जब सब ओरसे परिपूर्ण अचल प्रतिष्ठावाले समुद्र में उसको विचलित न करते हुए ही समा जाते हैं, वैसे ही सब भोग जिस स्थितप्रज्ञ पुरुष में किसी प्रकारका विकार उत्पन्न किये बिना ही समा जाते हैं। वही पुरुष परम शान्ति को प्राप्त होता है, भोगों को चाहनेवाला नहीं।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याप्रमाणे नाना नद्यांचे पाणी सर्व बाजूंनी भरलेल्या व स्थिर असलेल्या समुद्रात त्याला विचलित न करता प्रवेश करते, त्याचप्रमाणे सर्व भोग ज्या स्थितप्रज्ञ पुरुषामध्ये कोणताही विकार उत्पन्न न करताच सामावून जातात, तोच स्थितप्रज्ञ पुरुष परमशान्तीला प्राप्त करून घेतो, भोगांची इच्छा करणारा नाही.

विनोबांची गीताई :-

न भंग पावे भरतां हि नित्य समुद्र घेतो जिरवूनि पाणी

ज़ाती तसे ज्यांत जिरूनि भोग तो पावला शांति न भोग-लुब्ध ॥ २ - ७० ॥

विहाय कामान् यः सर्वान् पुमान् चरति निःस्पृहः ।

निर्ममः निरहङ्कारः सः शान्तिम् अधिगच्छति ॥ २ - ७१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
विहाय	Vihaaya	having abandoned	त्यागकर	त्याग करून
कामान्	Kaamaan	desires	कामनाओं को	इच्छांचा
यः	YaH	that	जो	जो
सर्वान्	Sarvaan	all	सम्पूर्ण	सर्व
पुमान्	Pumaan	man	पुरुष	पुरुष
चरति	Charati	moves about	विचरता है	व्यवहार करतो
निःस्पृहः	NiHspruhaH	free from longing	आसक्ति रहित	निरिच्छ होऊन
निर्-ममः	Nir-MamaH	without the sense of "I and mine"	ममता रहित	ममत्वरहित
निर्-अहङ्कारः	Nir-Aham-KaaraH	without egoism	अहङ्कार रहित	अहङ्काररहित
सः	SaH	he	वही (पुरुष)	तो (पुरुष)
शान्तिम्	Shaantim	to peace	शान्ति को	परमशान्तीला
अधि-गच्छति	Adhi-Gachchhati	attains	प्राप्त होता है	प्राप्त होतो

अन्वय :-

यः पुमान् सर्वान् कामान् विहाय निःस्पृहः निर्ममः निरहङ्कारः (च भूत्वा) चरति सः शान्तिम् अधिगच्छति ।

English translation:-

That man who lives devoid of longing, freed from all desires and without the feelings of "I" and "mine"; attains peace.

हिन्दी अनुवाद :-

जो पुरुष सम्पूर्ण कामनाओं को त्यागकर ममता रहित, अहङ्कार रहित और आसक्ति रहित हुआ विचरता है; वही पुरुष शान्ति को प्राप्त होता है।

मराठी भाषान्तर :-

जो पुरुष सर्व इच्छांचा त्याग करून ममत्वरहित, अहङ्काररहित व निरिच्छ होऊन व्यवहार करतो, त्याच पुरुषाला परमशांती मिळते.

विनोबांची गीताई :-

सोडूनि कामना सर्व फिरे होऊनि निःस्पृह
अहंता ममता गेली झाला तो शांति-रुप चि ॥ २ – ७१ ॥

एषा ब्राह्मी स्थितिः पार्थ न एनाम् प्राप्य विमुह्यति ।

स्थित्वा अस्याम् अन्तकाले अपि ब्रह्मनिर्वाणम् ऋच्छति ॥ २ – ७२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
एषा	EShaa	this	यह	ही
ब्राह्मी - स्थितिः	Braahmee - SthitiH	of Brahman state	ब्रह्म प्राप्त पुरुष की स्थिति	ब्रम्हाला प्राप्त करून घेतलेल्या पुरुषाची स्थिती
पार्थ	Paartha	O Arjun !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
न	Na	not	नहीं	नाही
एनाम्	Enaam	this	इसको	ही (स्थिती)
प्र-आप्य	Praapya	having obtained	प्राप्त होकर (योगी कभी)	प्राप्त झाल्यावर
वि-मुह्यति	Vimuhyati	is deluded	मोहित होता	मोहित होतो
स्थित्वा	Sthitvaa	being established	स्थित होकर	स्थिर होऊन
अस्याम्	Asyaam	in this	इसी (ब्राह्मी स्थिति) में	या (ब्राह्मीस्थितीत)
अन्त-काले	Antakale	at the end of life	अन्तकाल में	अन्तकाळी
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
ब्रह्म-निर्वाणम्	Brahma NirvaaNam	oneness with Brahman	ब्रह्मानन्द को	मोक्षप्राप्ती
ऋच्छति	Rhuchchhati	attains	प्राप्त हो जाता है	मिळवितो

अन्वय :-

हे पार्थ ! एषा ब्राह्मी स्थितिः एनाम् प्राप्य न विमुह्यति अन्तकाले अपि अस्याम् स्थित्वा (सः) ब्रह्मनिर्वाणम् ऋच्छति ।

English translation:-

O Arjuna ! This is the state of a man who has achieved Brahma. Attaining this, none is bewildered. Being established therein, even at the end of life, one attains oneness with Brahman.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! यह ब्रह्म को प्राप्त पुरुष की स्थिति है ; इसको प्राप्त होकर , योगी कभी मोहित नहीं होता और अन्तकाल में भी इसी ब्राह्मी स्थिति में स्थित होकर , ब्रह्म निर्वाण को प्राप्त हो जाता है ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! ब्रम्हाला प्राप्त करून घेतलेल्या पुरुषाची ही स्थिती आहे . ही स्थिती प्राप्त झाल्यावर तो स्थितप्रज्ञ कधीही मोहित होत नाही ; आणि अन्तकाळी सुद्धा या ब्राह्मी स्थितीत स्थिर होऊन मोक्ष मिळवितो .

विनोबांची गीताई :-

अर्जुना स्थिती ही ब्राह्मी पावतां न चळे पुन्हां
टिकूनि अंत - काळीं हि ब्रह्म - निर्वाण मेळवी ॥ २ - ७२ ॥

ॐ तत् सत् इति श्रीमद् भगवद् गीतासु उपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायाम्

योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे साङ्ख्ययोगो नाम द्वितीयोऽध्यायः ॥

हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् ।

Om that is real. Thus, in the Upanishad of the glorious Bhagwad Geeta, the knowledge of Brahman, the Supreme, the science of Yoga and the dialogue between Shri Krishna and Arjuna this is the second discourse designated as "The Yoga of Knowledge".

दुसऱ्या अध्यायाचा एका श्लोकात मथितार्थ

झाला अर्जुन शोकमग्न बघुनी वेदान्त सांगे हरी ।

आत्मा शाश्वत, देह नश्वर असे, हें ओळखीं अंतरीं ॥

घेई बाणधनू, करी समर तूं, कर्तव्य तें आचरी ।

वागे निःस्पृह, हर्षशोक न धरी, ज्ञानी सदा ज्यापरी ॥ २॥

गीता सुगीता कर्तव्या किम् अन्यैः शास्त्रविस्तरैः ।

या स्वयम् पद्मनाभस्य मुखपद्माद् विनिःसृता ॥

गीता सुगीता करण्याजोगी आहे म्हणजेच गीता उत्तम प्रकारे वाचून तिचा अर्थ आणि भाव अन्तःकरणात साठवणे हे कर्तव्य आहे. स्वतः पद्मनाभ भगवान् श्रीविष्णूंच्या मुखकमलातून गीता प्रगट झाली आहे. मग इतर शास्त्रांच्या फाफटपसाऱ्याची जरूरच काय ?

- श्री महर्षी व्यास

विनोबांची गीताई :-

गीताई माउली माझी तिचा मी बाळ नेणता ।

पडतां रडतां घेई उचलूनि कडेवरी ॥